मेरा राजस्थान

वर्ष-२१, अंक-०४, मुम्बई, जून २०२६ सम्पादक-बिजय कुमार जैन पृष्ठ ४० मूल्य -१००.०० रूपए प्रति

राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त राजस्थान समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

हम हैं माहेश्वरी

सेवा त्याग सदाचार

हम हैं माहेश्वरी

सर्वे भवन्तु सुखिनः

‘महेश नवमी’ के पावन पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत क्र. U80300MH2021NPL369101

12A Reg No. AAPCM0514R25MB01 / 80G Reg No. AAPCM0514R25MB02 / CSR Reg No. CSR00101842

मैं भारत हूँ फाउंडेशन

भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर

राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन, मुंबई मो. 9322307908	राष्ट्रीय महामंत्री शोभा सादानी, कोलकाता मो. 8910628944	राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. गोविंद माहेश्वरी, कोटा मो. 9414183919	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा, कोलकाता मो. 9830224300	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंजू अग्रवाल, पुणे मो. 8806751782
राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री रवि जैन, मुंबई मो. 8108843571	राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री वर्षा मूंधड़ा, कोलकाता मो. 9874272916	संगठन मंत्री अनुपमा शर्मा (दाधीच), मुंबई मो. 9702205252	अंतर्राष्ट्रीय संयोजक अरूण मूँधड़ा, हॉस्टन, अमेरिका मो. 01 (919) 610-7106	अंतर्राष्ट्रीय संयोजक किशोर जैन, लंदन, यूके मो. 044 (770) 3827595

Remove India Name From the Constitution India को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए

पत्रिका द्वारा होने वाली आय भारतीय भाषायी संस्कृति संवर्धन व हिंदी बनें राष्ट्रभाषा अभियान की सफलता पर खर्च किया जा रहा है

http:// www.merarajasthan.co.in

भारत को ‘भारत’ ही बोला जाए अभियान

MOIRA®
THERMEX® TMT BARS

The Backbone of Your Structure

MOIRA means
Double strength for your Construction

Available In : Fe 550, Fe 550D, Fe 600 & CRS

JAIDEEP METALLICS & Alloys Pvt. Ltd.

106 / 107 / 108, 1st Floor, Neha Ind. Estate, Behind CCI Ltd., Off Dattapada Road, Borivali (E), Mumbai - 400 066. Phone : +91 2242032000 Fax : +91 22 42032020
Email : ajay@moiratmt.com | marketing@moirantmt.com

CHANDAK

PROMISES MADE.PROMISES KEPT.

Maharera Registration No. Chandak Sarvam: P51800078249 |
Chandak Highscape City: P51800055726 | 34PE: P51800006729 |
Chandak Treesourus: P51800048658 | Greenairy: P51800035093 |
Chandak Vansham: P51800080145 |
Available on https://maharera.mahaonline.gov.in
https://maharera.maharashtra.gov.in

CHANDAK SARVAM | CHANDAK HIGHSCAPE CITY | 34 PARK ESTATE | CHANDAK TREESOURUS | GREENAIRY | CHANDAK VANSHAM

Redefine luxury with Chandak Group's prestigious residential portfolio

Artist's impression

CHANDAK
HIGHSCAPE CITY
CHEMBUR (E)
NATURE-BLESSED 2 & 3 BHKs

— LAUNCHING SOON —
CHANDAK
vansham
VILE PARLE (W)
Balcony
3, 4 BHK & JODI RESIDENCES

CHANDAK
SARVAM
JB NAGAR, ANDHERI (E)
LUXURY 2, 3 & 4 BHK RESIDENCES

34 PARK ESTATE
GOREGAON (W)
EXCLUSIVE 1 BHK RESIDENCES

CHANDAK
TREESOURUS
MALAD (W)
2 & 3 BHK SUN-DECK RESIDENCES

LUXAIRY COLLECTION
At Chandak GreenAiry
BORIVALI, WEH
2 BHK BALCONY RESIDENCES

UPCOMING PROJECTS
- BKC
- BANDRA (E)
- PALI HILL
- KALINA
- GOREGAON (W)
- BORIVALI (E)

76205 60000 | **www.chandkgroup.com**

Chandak Sarvam: The project is mortgaged in favour of IDBI Trusteeship Services Limited acting as a security trustee for Standard Chartered Bank.

34 Park Estate: Joint development with Reddy Builders and Developers ('Oregon Hills LLP' is a partner in Reddy Builders and Developers). The project is financed by ICICI Bank Limited.

Chandak Vansham: The project is mortgaged in favour of Arka Fincap Limited and IDBI Trusteeship Services Limited acting as security trustee for RBL Bank Limited.

Chandak Highscape City: The project is subject to the charge of Catalyst Trusteeship Limited and Tata Capital Housing Finance Limited. | **Chandak Treesourus:** The project is financed by ICICI Bank Limited.

Greenairy: The project is currently marketed as Luxairy Collection, exclusively for 40th floors and above. The Project is registered on MahaRERA as 'Greenairy'. The Project is mortgaged in favour of Piramal Trusteeship Services Private Limited for funding by Piramal Enterprises Limited and the buyer will be required to obtain a no objection certificate prior to entering into Agreement for Sale of any unit/flat in the project.

This communication is purely conceptual and not a legal offering, the information contained herein is only indicative in nature. All the images, views, surroundings, landscape, building elevation, height, design and/or any other details are artistic conceptualization for illustration purposes only and do not purport to replicate the offering. The project amenities and facilities are subject to final approval from the concerned authorities. The list of standard offerings, amenities and other details are available for verification at respective sites. Intending purchasers are requested to verify all the details before acting in any manner with respect to the projects.

८ माहेश्वरी समाज वंशोत्पत्ति...

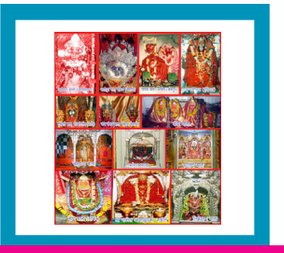
२२ माहेश्वरी परिवार की कुल माताएं...

२४ हम हैं माहेश्वरी...

२६ माहेश्वरियों का अति पवित्र दिन...

३२ शिव जी का संक्षिप्त परिचय...

३४ 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' द्वारा आयोजित...

और भी बहुत कुछ....

'मेरा राजस्थान' जुलाई २०२६ की विशेषताएं

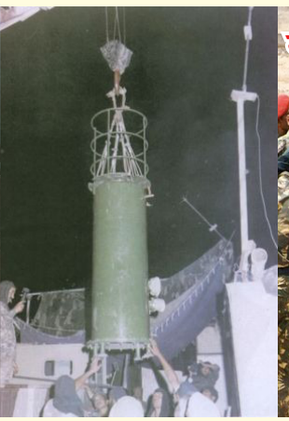

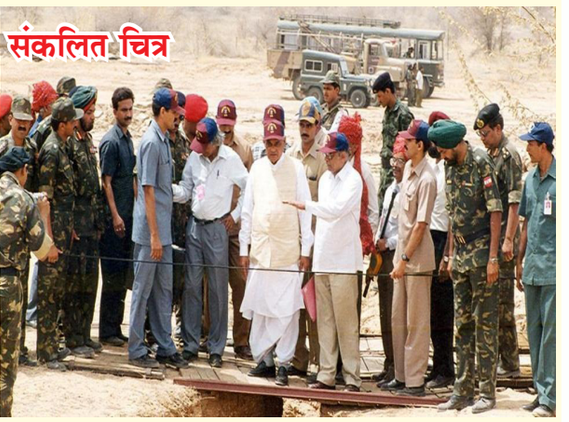
संकलित चित्र

पोखरण-नाचना

पोखरण: राजस्थान के जैसलमेर जिले में स्थित एक ऐतिहासिक कस्बा और नगर पालिका 'पोखरण' है जो अपने शानदार स्थापत्य, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और भारत के परमाणु शक्ति केंद्र के रूप में दुनिया भर में प्रसिद्ध है।

नाचना: राजस्थान के जैसलमेर जिले की 'पोखरण' तहसील में स्थित 'नाचना' गांव थार मरुस्थल के बीच बसा एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध स्थान है। 'नाचना' गांव की सबसे बड़ी ऐतिहासिक विशेषता यहाँ बना हुआ अनोखा मिट्टी का किला है।

विस्तृत जानकारी पढ़ें अगले अंक में.....

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

बुलडाणा अर्बन

को-ऑप. क्रेडिट सोसायटी लि., बुलडाणा मल्टिस्टेट रजि.नं. २६७

www.buldanaurban.in | buldanaurban@rediffmail.com

संस्था का कार्यक्षेत्र - ▪ महाराष्ट्र ▪ राजस्थान ▪ मध्यप्रदेश ▪ छत्तीसगढ ▪ गुजराथ ▪ अंदमान-निकोबार

▪ संस्था की वर्तमान स्थिती ▪

कुल जमाराशी	१५५१९ करोड
कुल ऋणराशी	१०९०५ करोड
कुल गोदाम	६००
कुल शाखा	४८०
कुल गोल्ड लोन	४६८१ करोड
कुल सदस्य	१७ लाख

कार्यालय :- सहकार सेतु, हुतात्मा गोरे पथ, बुलडाणा - ४४३ ००१ (म.रा.)

संस्था की योजनाए

- पुना में छात्रो के लिए छात्रानिवास
- उच्च शिक्षा लेनेवाले छात्रो के लिऐ विशेष ऋण योजना
- तिरुपती (आंध्रप्रदेश), माहुर एवं शिर्डी में भक्तनिवास
- बुलडाणा स्थित १२५ महिलाओं का छात्रानिकेतन
- ६०० वेअर हाऊस (ग्रेन बँक)
- बुलडाणा एवं मोर्शी गोरक्षण धाम
- बुलडाणा में वेदविद्यालय एवं जिवनसंध्या स्वर्गाश्रम

बुलडाणा अर्बन चॅरिटेबल द्वारा संचालित

सहकार विद्या मंदिर एवंम कनिष्ठ विज्ञान, वाणिज्य महाविद्यालय

विद्यानगरी, चिखली रोड, बुलडाणा - ४४३ ००१

AQSR ISO 9001-2000 Registered

www.sahakarvidyamandir.in

(07262) 244707, 245705

वर्ग १ से १२ (विज्ञान शाखा)

विशेषताए ▪

- बुलडाणा शहर से ५ कि.मी. अंतर पर प्रदुषण रहीत वातावरण में ३० एकर विशाल परिसर में अनोखी स्कुल.
- अत्याधुनिक उपकरणों के साथ विशाल पुस्तकालय, पाठशाला, विशाल भोजन कक्ष, इंडोअर और आऊटडोअर स्टेडीयम और सुविधाओं से पुरिपुर्ण कॉम्प्युटर लॅब.
- पौष्टीक भोजन तथा स्वास्थ रक्षा.
- शिक्षा भ्रमण, आश्वारोहण, पर्वतरोहण, निशानेबाजी, स्विमिंग, कराटे, संगीत, तलवारबाजी और भी बहोत कुछ....
- स्कुल की कुल शाखाएँ २० :- बुलढाणा, जलगाँव(जा), पिपलगावराजा, मोतला, धामणगाँव बढे, डोंगरखंडाला, उंद्री, जानेफल, डोणगाँव, सुलतानपूर, बिबी, साखरखेर्डा, सिदखेडराजा, देवलगाँवराजा, देवलगाँव मही, धाड, वरवट बकाल, दानापूर (अकोला जिला), फतेपूर (जलगाँव जिला) पिपलगाँव काले.
- शाखाओं के कुल छात्र :- २८०००.
- छात्रावास :- छात्र एवंम् छात्राओं के लिए स्वतंत्र व्यवस्था. ▪ बुलडाना जिल्हे में २० इग्लीश मिडीयम स्कुल जिसमें २५००० विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते है ।
- मोशन क्लासेस कोटा (राजस्थान) के **NEET / AIIMS / JEE / MHTCET / KVPY** तथा **Board Exam** की ब्रांच बुलडाना में शुरु है ।

▪ विनित ▪

सौ. कोमल झंवर

राधेश्याम चांडक

डॉ. सुकेश झंवर

चिफ मॅनेजिंग डायरेक्टर, बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

वर्ष-२१, अंक ०४, जून २०२६

१२ अंक वार्षिक १२००/-

बिजय कुमार जैन

वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए
का आव्हान करने वाला भारत माँ का लाडला

उपसम्पादक - संतोष जैन 'विमल'

कार्यकारी सम्पादक - अनुपमा शर्मा (दाधीच)

मो. 9702205252

सह सम्पादक- डॉ. अल्पना गंगवाल जैन

मो: 9369253113

'मेरा राजस्थान' के संरक्षक

स्व. रामनारायण घ. सराफ, मुम्बई

सम्पर्क करें...

सम्पादकीय कार्यालय

गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड
की शानदार प्रस्तुति

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

बी- २१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व,
मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400 059. दूरध्वनि - 022- 4015 8094

भ्रमणध्वनिः 9322307908

अणुडाकः mailgaylordgroup@gmail.com
mainbharathunfoundation@gmail.com

अन्तरताना : http//: www.merarajasthan.co.in
http//:www.bijayjain.com

https://www.facebook.com/merarajasthanpatrika/
https://x.com/merarajasthan01
https://www.instagram.com/mera_rajasthan10/
https://www.youtube.com/@Merarajasthan10

कृपया विज्ञापन बिल, सदस्यता शुल्क के साथ सहयोग राशि का भुगतान
नीचे दिये गए बैंकों में जमा करा सकते हैं

HDFC Bank
Andheri East Branch
RTGS / NEFT
IFSC: HDFC 0000592.
Account No.05922320003410

State Bank Of India
(01594) Marol Mumbai Branch.
IFS Code :SBIN0001594.
Account No. 030338727406.
in the name of GAYLORD PUBLICATIONS PVT.LTD.
Payment Transfer & Inform to us on: 9322307908 UPI No.

जय जय राजस्थान
जय जय राजस्थानी

संपादकीय ....

माहेश्वरियों का पावन पर्व है 'महेश नवमी'

इतिहास के पन्नों के अनुसार माहेश्वरी परिवारों की वंशोत्पत्ति करीब ५००० साल पहले हुई थी। तत्कालीन समय में तराजू व कलम लेकर व्यापार के क्षेत्र में उतरे महेश्वरी, आज विश्व के कोने-कोने में अपने विशिष्ट कार्यों से अपना नाम गौरवान्वित करवा रहे हैं। मृदुलभाषी 'महेश्वरी' हर क्षेत्र में चाहे राष्ट्रीय हो या सामाजिक या हो व्यवसायिक, हर क्षेत्र में अपने नेतृत्व का लोहा मनवा रहे हैं।

'महेश नवमी' का पावन पर्व भारत में ही नहीं विदेश में, जहां भी माहेश्वरी रहते हैं सामूहिक रूप से मनाते हैं।

'मेरा राजस्थान' द्वारा 'महेश नवमी' के पावन पर्व के विशेषांक प्रकाशन पर जब समाज के विशिष्ट लोगों से संपर्क किया गया तो बहुत सी ऐसी जानकारियां मिली, जिससे निष्कर्ष यह निकला कि माहेश्वरी युवाओं को धर्म व संस्कृति से जोड़े रखने के लिए 'महेश नवमी' पर्व की संस्कृति बतानी बहुत जरूरी है, क्योंकि आज का युवा आधुनिकता के क्षेत्र में इतना आगे बढ़ गया है, सोशल मीडिया को अपनाते हुए अपनी संस्कृति को भूलते जा रहा है, इसलिए हर महेश्वरी परिवार का कर्तव्य है कि वे युवाओं को 'महेश नवमी' पर्व के बारे में बताए, 'महेश नवमी' के पावन पर्व पर विशिष्ट व्यंजन हर घर में बनाए जाएं, धूमधाम से जुलूस यात्रा के साथ खुशियां मनाई जाए इतने बड़े रूप में, जिस प्रकार हम राजस्थानी होली, दीपावली का पर्व मनाते हैं।

'मेरा राजस्थान' परिवार द्वारा 'महेश नवमी' की शुभकामनाएं देते हुए यही कहूंगा कि हर घर में माहेश्वरी अपने वंशोत्पत्ति दिवस 'महेश नवमी' धूमधाम से मनाए, विश्व को बताएं कि 'हम हैं माहेश्वरी'!

माहेश्वरी परिवारों ने अपनी सामूहिक एकता के लिए अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी सभा से बनी महासभा की स्थापना १९०३ में हुई, जिसका एकमात्र उद्देश्य कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैले माहेश्वरियों को एकजुट करना, इस प्रयास में आज 'महासभा' सफल भी हुई है, जिसके पूर्व अध्यक्ष भीलवाड़ा निवासी रामपाल जी सोनी, कोलकाता निवासी जोधराज जी लड्ढा, वर्तमान अध्यक्ष जोधपुर निवासी संदीप जी काबरा हैं। महिला महासभा की पूर्व अध्यक्षा कोलकाता निवासी श्रीमती शोभा सादानी, मुंबई निवासी कल्पना गगरानी, वर्तमान अध्यक्षा ज्योति जी राठी हैं। माहेश्वरी समाज को संगठित करने में मिली सफलता के लिए सभी पदाधिकारियों को 'मेरा राजस्थान' परिवार शुभकामनाएं देता है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' अभियान की सफलता के लिए २८ जून २०२६ को कोलकाता स्थित 'धनोधान्यों' में भारत के विशिष्ट विभूतियों के मध्य विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें आप सभी की उपस्थिति वांछनीय है, मुझे पूरा विश्वास है जिस प्रकार पूर्व में आप सभी का सहयोग मिला है, आगे भी मिलता रहेगा।

जय महेश! जय जय राजस्थान!

जय भारत!

SBI BANK

for payment

HDFC BANK

for payment

आपका अपना

बिजय कुमार जैन

वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
हिंदी सेवी-पर्यावरण प्रेमी
भारत को भारत कहा जाए का आव्हान
करने वाला एक भारतीय
मो.९३२२३०७९०८

भारत को भारत ही बोलें INDIA नहीं, जय भारत!

महेश जिनका नाम है, कैलाश जिनका धाम है,देवों के देव महादेव को, हम सबका प्रणाम है...

महेश नवमी पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

- Shree Gopal Maheshwary

Aspur King Quarry - Rajasthan

Stockyard - Coimbatore

Stockyard - Coimbatore

sri maheshwary granites (p) ltd

STILL THE BIGGEST & BEST

Quarry Owners, Manufacturers and Dealers in all kinds of Natural Stones

Imported Marble | Indian Marble | Granites | Elevation | Slates-Sand Stones | Quartzite | Marmo Marble Tiles

Stockyards - Coimbatore

Unit 1 - Thadagam Road, Kanuvoy, Mob - 9994399999

Unit 2 - Luna Nagar, Thadagam Road, Mob - 9944415601

Unit 3 - Adjacent to Le Meridian, Avinashi Road, Mob - 9994399999

Kochi Stockyard

Service Rd, Kizhakkummuri, Kerala 680308 Mob-94477 95277

Quarries - Aspur, Bhadesar, Katni | **Factory** - Maheshwari Marbles Pvt Ltd , Chittorgarh & Katni

Email - info@maheshwarymarbles.com, maheshwarygranites@yahoo.com

wwwmaheshwarymarbles.com

SB RANDER GROUP OF COMPANIES

Shri Bhagirath Textiles Ltd, Nagpur - Spinning Unit

Shrigopal Rameshkumar - Nagpur

Multi Urban Infra Services Pvt Ltd - Water Supply Projects Specialists - Nagpur

Shri Madhusudan Rameshkumar - Mumbai, Malegaon, Ichalkaranji

माहेश्वरी समाज वंशोत्पत्ति

महेश - ईश्वरी से माहेश्वरी कहलाये

माहेश्वरी गोत्र सोनी, सोमाणी, जाखेटिया, सोढाणी, हरकुट, न्याती, हेड़ा, करवा, कांकाणी, मालू, सारडा, काहाल्या, गिलड़ा, जाजू, बाहेती, बिहाणी, बिदादा, बजाज, कलंत्री, कासट, कचौलिया, कालाणी, झंवर, काबरा, डाड, डागा, गट्टानी, राठी, बिड़ला, दरक, तोषनीवाल, अजमेरा, भण्डारी, छापरवाल, भट्टड़, भूतड़ा, बंग, अटल, इनाणी, भराड़िया, भंसाली, लढा, मालपाणी, सीकची, लाहोटी, गदइया, गगराणी, खटोड़, लखोटिया, असावा, चेचाणी, माणधन्या, मूंदड़ा, चौखड़ा, चांडक, बल्दवा, बाल्दी, बूब, बांगड़, मंडोवरा, तोतला, आगीवाल, आगसूड़, परताणी, नावंधर, नुवाल, पलोड़, तापड़िया, मणिहार, धूत, धूपड़, मोदाणी, पोरवाल, मंत्री, देवपुरा, नौलखा, टावरी

माहेश्वरी समाज! समय के साथ कदम से कदम मिलाने में विश्वास रखता है, इस समाज के सदस्य परिवर्तनशीलता के पक्षधर हैं, इस दृष्टि से सब नित-नवीन हैं। महाकवि कालिदास ने नवीनता की व्याख्या करते हुए लिखा है-

पदे-पदे यन्नवतामुमैति, तदैवरूपम् रमणीयताया:
कदम-कदम पर जो नवीनता को स्वीकार कर लेते हैं, वे रमणीय रहते हैं। रमणीयता समय की शोभा है और समय रमणीय को रमणीयतम बना देता है।

माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति के संबंध में अनेक किंवदंतियां हैं। जयपुर जिले के अंतर्गत खंडेला के प्रतापी राजा खड़गलसेन के पुत्र सुजानकंवर माहेश्वरी समाज के आदि पुरूष हैं। माना जाता है कि युवावस्था में एक दिन सुजानकंवर ७२ उमरावों के साथ आखेट पर गये। वहां उन्होंने ऋषियों को यज्ञ करते देखा, यज्ञ में बलि दी जा रही थी। हिंसा के मर्मान्तक माहौल ने सुजानकंवर को विचलित कर दिया और उसने तत्काल उमरावों से यज्ञ नष्ट करने को कहा। उमरावों ने वही किया, इस पर यज्ञकर्ता ऋषियों ने उन्हें श्राप दिया कि तुम सब जड़ हो जाओ। तत्काल सुजानकंवर सहित सभी उमराव पाषाण मूर्तियों में परिवर्तित हो गये। घटना की सूचना राजा खड़गलसेन को मिली, वे इस आघात को सहन नहीं कर सके, उन्होंने अपनी रानियों सहित पुत्र वियोग में प्राण त्याग दिये। सुजानकंवर की रानी चन्द्रावती विदुषी थी, उसने समस्त उमरावों की स्त्रियों के साथ ऋषियों के पास पहुंचकर अपने पतियों को श्राप से मुक्ति दिलाने की प्रार्थना की, इस पर ऋषियों ने भगवान महेश और भगवती पार्वती की प्रार्थना करने को कहा। रानियों की तपस्या व प्रार्थना से प्रसन्न होकर महेश और पार्वती जी ने उनके पतियों में प्राण संचित कर दिये, सचेतन होकर सुजानकंवर एवं उनके सहयोगी यज्ञस्थल के समीप स्थल कुंड में स्नान करने उतरे तो वहां उनके सारे शस्त्र गल गये, जहां यह क्रिया सम्पन्न हुई, वह स्थान 'लोहार्गल' कहलाता है, यह 'लोहार्गल' अभी भी रींगस स्टेशन से २०-२५ मील उत्तर में पहाड़ों के मध्य स्थित है। 'लोहार्गल' से लौटकर नवजीवन प्राप्त राजकुमार एवं उमराव भगवान महेश्वर के नाम पर 'माहेश्वरी' कहलाए और खंडेला उनकी मातृभूमि मान्य हुई। शस्त्र गल जाने के कारण सुजानकंवर एवं ७२ उमरावों ने तराजू धारण कर लिया।

कृपाण त्याग कर कलम लीन्हा
तज ढाल तराजू कुरतदीना

माहेश्वरी समाज ने सामंजस्य पैदा करने वाली अवधारणा स्वीकार की और अपने आप को प्रतिष्ठित करने के लिए समय के संकेत के अनुरूप काम किया, वह समय महाभारत काल का था। प्रसिद्ध जागा सूरजमल मुकनलाल की बही के अनुसार माहेश्वरी जाति की उत्पत्ति उसी समय यानि अब से लगभग ४८०० वर्ष पूर्व हुई, लगता है कि उस समय विशेष उल्लेख योग्य कार्य न होने से इतिहास नहीं बना, विक्रम की ८वीं-१०वीं सदी के बीच एतिहासिक घटना हुई तो उसका नेतृत्व सुजानकंवर ने किया। युग परिवर्तन जितना बड़ा सृजन का काम घर में रहकर नहीं किया जा सकता, इसलिए संभव है उन्होंने जोग लिया हो और इसी कारण बाद में वे 'जागा' कहे जाने लगे। 'जागा' जोग का अपभ्रंश और योग की याद दिलाने वाला सांकेतिक शब्द है।

भगवान शंकराचार्य के समय माहेश्वरी जाति अस्तित्व में आई और वह समय ११०० वर्ष पूर्व का है। जागों की बहियों के अनुसार ज्येष्ठ शुक्ला नवमी को श्री महेश भगवान के आशीर्वाद से माहेश्वरी जाति की उत्पत्ति हुई, इस मत के परिप्रेक्ष्य में भी जैन इतिहास गौर करने लायक है। इतिहासवेत्ता मुनि जिनविजय जी ने जानकारी देते हुए लिखा है:

शेष पृष्ठ १० पर...

With Best Compliments From

Goverdhan

RAJKUMAR GOVERDHANDAS CHANDAK

CURRENCY MOVERS
(Logistics support for Coins and Currency Notes)
Appointed by Reserve Bank of India, Mumbai
Nagpur, Bhopal & Hyderabad

MINTAGE TRADE AND SERVICES PVT. LTD.
(Logistics and Warehousing Solutions)

GOVERDHAN ENERGY & PETROCHEMICALS PVT. LTD.
DCA cum CS for IOCL Polymers at Mumbai, Daman,
Silvassa and Goa Dealers and Manufacturers of Petroleum Products
Dealers for Reliance, HPCL, BPCL, Nayara Energy Limited

GOVERDHAN ORCHARDS PRIVATE LIMITED
(Grass Cultivation)

SKYJOY BUILDERS PRIVATE LIMITED
(Real Estate Developer)

GOVERDHAN VENTURES PVT. LTD.
(Import House)

Residence:
603, Madhu Kunj Apts, Sayani Road,
Prabhadevi, Mumbai - 400025
Ph. + 91 22 2430 3148

Kapil - 98238 98048
Email: kapil@goverdhan.co.in

Office:
23, Sai Classic, 90 Feet Road,
Mulund (E), Mumbai 400081
Ph. +91 22 2163 2148

Navneet - 98230 14148
Email: navneet@goverdhan.co.in

web: www.goverdhan.co.in

राष्ट्रमाता बनें
निवेदक: मैं भारत हूँ फाउंडेशन

महेश जिनका नाम है, कैलाश जिनका धाम है,
देवों के देव महादेव को, हम सबका प्रणाम है...
महेश नवमी पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

सेवा त्याग सदाचार

सर्वे भवन्तु सुखिनः

PLASTIBLENDS
Merging Ideas

Kolsite Group

Fortune Terraces, "A" Wing, 12th Floor, Opp. Citi Mall, Link Road,
Andheri West, Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400053
Ph. : 022-2673 4822-25 / 2673 6468
e-mail : snk@kolsitegroup.com web : www.kolsite.com / www.plastiblendsindia.com

पृष्ठ ८ से... 'वस्तुत: उस जमाने में ऐसे धर्म परिवर्तन ने प्रजा के पारस्परिक विद्वेष को कम किया और सामाजिक उत्कर्ष को बढ़ाया। गुजरात के अनेक प्रतिष्ठित कुटुंबों में जैन और शैव दोनों धर्मों का पालन किया जाता था, किसी गृहस्थ का पितृकुल जैन था तो मातृकुल शैव और किसी का मातृकुल जैन था तो पितृकुल शैव, इस तरह गुजरात में वैश्य जाति के कुलों में प्राय: दोनों धर्मों के अनुयायी थे। शैवों और जैनों की कोई अलग-अलग समाज रचना नहीं थी। सामाजिक विधी-विधान सब ब्राह्मणों के द्वारा ही मान्य नियमानुसार संपन्न होते थे। शैव कुटुंबों की कुलदेवी एक ही थी, उनका पूजन-अर्चन दोनों कुटुंब वाले कुल, परंपरानुसार एक ही विधि से करते थे। सामाजिक दृष्टि से दोनों में अभेद ही था, सिर्फ धर्म भावना और उपास्यदेव की दृष्टी से थोड़ा भेद था। शैव और जैन दोनों मुख्य रूप से गुजरात के प्रजाधर्म थे, फिर भी सामान्य रूप से राजधर्म शैव ही माना जाता था और गुजरात के राजाओं के उपास्यदेव शिव ही थे। कई बार राज कुटुंबों में से भी कोई जैन धर्म के अनुसार संन्यास दीक्षा ग्रहण करता था, अनेक राजपुत्र जैन आचार्यों के पास शिक्षा ग्रहण करते थे। सुजानकंवर का इतिहास भी इसी बात की पुष्टि करता है। कहने की आवश्यकता नहीं कि उस समय मारवाड़, मालवा आदि सारे प्रदेश गुजरात राज्य के अंतर्गत थे या उससे प्रभावित थे।

श्री शिवकरण जी ने बड़वा जागाजी की बहियों पर वर्षों तक शोध कर उन माहेश्वरी बंधुओं के नाम पर भी प्रकाश डाला है, जिन्होंने जैन धर्म स्वीकार किया और जैन धर्म को मानने वाली मुख्य जाति ओसवाल में मिले। जैसे-

– रतनपुर के राजा के दीवान माल्हदेवजी भामुजी के खचांजी थे। श्री बलाशाह राठी फौज को मोदीपा देते थे, श्री माल्हदेवजी के लड़कों को अंधगी की बीमारी हो गई, श्री जिनदत्त सुरिजी ने ठीक किया, तब उन्होंने जैन धर्म स्वीकार किया, उनके साथ डागा, मूंदड़ा के कई परिवारों ने जैन धर्म स्वीकार किया भामुजी का पारख मोराजी का छोरीया कहलाये। ५२ परिवारों ने जैन धर्म स्वीकार किया।

शेष पृष्ठ १२ पर...

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
Remove INDIA Name From The Constitution
INDIA GATE का नाम
'भारतद्वार' लिखवायें
मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारत को 'भारत' ही बोला जाए

महेश नवमी पर्व पर हार्दिक शुभकामनाए

Delhi Rajasthan Transport Co. Ltd.

DRTC

R.O. : 1206, The Ambience Court, Opp APMC RTO Office, Sector 19 D, Vashi, Navi Mumbai, Maharashtra, Bharat-400705
Phone.: 022- 41291800 - 41291810 (10 Line) E-mail: mumbai@drtcindia.com
H.O.: DRTC House, Behind Olympic Complex, Jodhpur, Rajasthan, Bharat-342 001.
Tel: 0291-2633673, 0291-2633674 E-Mail: jodhpur@drtcindia.com

: MAIN BRANCHES :

Jodhpur	: 2633673	Secunderabad	: 32982119	Ludhiana	: 4646184
Jaipur	: 3919326	Hyderabad	: 24523820	Amritsar	: 3257294
Ajmer	: 2622842	Vijaywada	: 2561220	Ahmedabad	: 25467622
Sriganganagar	: 3205220	Rajamundry	: 2469802	Surat	: 2355036
Alwar	: 2335408	Guntur	: 2218244	Ankleshwar	: 221165
Udaipur	: 2485119	Bangalore	: 22223219	Vapi	: 2401874
Bhiwadi	: 220986	Chennai	: 25287119	Baroda	: 2480970
Kota	: 2391378	Coimbatore	: 2346743	Rohtak	: 231382-83
Pati	: 227303	Tirupur	: 2208766	Panipat	: 2670768
Bikaner	: 2520752	Erode	: 2224250	Gurgaon	: 2212260
Balotra	: 220472	Noida	: 5320274	Karnal	: 3208400

Service in all Hariyana, A.P., Rajasthan, Gujarat, Punjab, Noida, Telagana
MUMBAI ALL STATION DELIVERY & BOOKING & DELIVERY RETURN.

H.D. RATHI
CHAIRMAN

S.L. BHOOTRA
MANAGING DIRECTOR

STEELO

महेश नवमी के पावन पर्व पर आप सबको

हार्दिक शुभकामनाएँ

Premium Quality Strong & Durable
Safe & Healthy Your Health, Our Priority
Elegant & Stylish Beautiful Design, Every Time
Perfect Gift For Every Moment, For Every One

Address: A-211, Steelo Containers LLP, Synthofine Insdutrial Estatte, Off aarey Road, Mumbai - 400063
Mob: 7738033605
Website: www.steelo.in

महेश नवमी पर्व पर सभी राजस्थान वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

R.A. Kraft Paper Pvt. Ltd.
R.S. Kraft Paper Ltd.

Indenter & Importer of Papers & Boards

सर्वे भवन्तु सुखिनः

FIBRE IMPEX
PVT. LTD.

Importer of Recovered Paper
From Various Parts of the World

Head Office : 504, Suryakiran Complex, 1, Bajaj Nagar,
Opp. VNIT, Nagpur, Maharashtra, Bharat - 400010
Ph.: 0712-2220626, 2242412, 2249685 Fax : 0712-2243248
E-mail : info@rakraftpaper.com
Mumbai Office : Unit No. 804, 8th Floor,
Lotus Link Square, New Link Road,
Andheri West, Mumbai , Maharashtra, Bharat-400053
Ph.: 022-69455000
E-mail : mumbai@rakraftpaper.com
Website : www.rakraftpaper.com

Branches : Aurangabad | Hyderabad | Indore | Kolhapur | Nasik | Pune | Vapi

पृष्ठ १० से... शाह माहेश्वरी राजा का दीवान था, उनका पुत्र लुणा था, जिसको सांप ने काटा था, उसे श्री जिनदत्त सूरीजी ने वापस जीवित किया, तब उन्होंने जैन धर्म स्वीकार किया, लुणा से लुणिया कहलाये।

– श्री नाबाजी लढ़ा माहेश्वरी का ब्रह्ममान सूरीजी ने उपदेश देकर जैन धर्म स्वीकार कराया, लढा से लोढा कहलाये।

– श्री खेताजी बाहेती के लाला व भीमा नाम के पुत्र थे, ये दोनों नवाब लोदी रूस्तम के खजाने का काम करते थे, इन्होंने करोड़ों रुपयों के साथ सामान भी माहेश्वरी व ब्राह्मणों को बांट दिया। किसी ने नवाब से चुगली कर दी। नवाब ने अहमदाबाद में दोनों को गिरफ्तार कर लिया, किसी तरह से जेल के पहरेदारों की नजर बचाकर वे भाग गये। तपागच्छ की जाति ने इनको लूकाया (छिपाकर रखा)। जोधपुर और फलौदी में लूककर (छिप कर) रहे, तभी उन्होंने जैन धर्म स्वीकार किया।

– नागौर के पास मुधाड़ा नगर मूंदड़ा का बसाया हुआ है, वहां पर मुंदल देवी का मंदीर बनाया गया, उनका पुत्र गायब हो गया था। देवालजी जैन संत ने वापिस लाकर दिया, देवी ने नाहर का रूप बना रखा था, इसलिए जैन धर्म स्वीकार किया व नाहर कहलाये।

– विक्रम संवत ११७६ में श्री वल्लभ सूरीजी मदोदर नगर में पधारे, वहां के राजा नानद परिहार के संतान नहीं थी, एक जैन आचार्य ने पुत्र वरदान दिया, पुत्र हुआ और जैन धर्म स्वीकार किया, उस समय कुछ माहेश्वरी व ब्राह्मणों ने भी जैन धर्म स्वीकार किया था।

– श्री डीडाजी मोहता ने सिरोही में जैन धर्म स्वीकार किया।

– सं.१०१६ में छोहरिया तातेड़ जाति लढ़ा माहेश्वरी से बनी। सं.४४४ से बीरणी मेढा जाति मूंदड़ा माहेश्वरी से बनी। सं.१०२२ में शाह लछमणजी माहेश्वरी मूंदड़ा, जिसके सुडाणी गुरू के प्रताप से पुत्र हुआ, नाहेरी चुंगी जैन धर्म स्वीकार किया और नाहर कहलाये।

अहिंसा के अनन्य उपासक होने का गौरव पाने के बावजूद जैन समाज असि (तलवार), मसि (कलम-दवात) कृषि को अपनाये रहा, किन्तु माहेश्वरी समाज ने असि एवं कृषि छोड़कर मात्र कलम-तराजू और वैश्य कर्म को समग्रभाव से उजागर किया, इसी कारण व्यावसायिक जगत में माहेश्वरी समाज को अहं स्थान प्राप्त है।

माहेश्वरी समाज की जाति के अग्रदूत तपोधन श्री कृष्णदास जी जाजू के शब्दों में-'यथार्थ बात क्या है? यह तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन राजपूताने की जितनी वैश्य जातियां हैं, वे मूल स्त्रोत में क्षत्रिय थीं, हमारे पूर्वज भी राजपूत थे, फिर वैश्य हुए। संभव है उस समय बौद्ध धर्म और जैन धर्म का प्रभाव हो, पर यह बात निश्चित है कि माहेश्वरियों वैश्य कर्म स्वीकार किया और इस प्रकार यह परिवर्तन हुआ, जैसी भी घटना घटी हो, लेकिन हमारे पूर्वजों का वैश्य कर्म स्वीकार करना बहुत हिम्मत का काम था, जहां हम छोटी-छोटी बातों में परिवर्तन करने से घबराते हैं, वहां एक वर्ण को छोड़कर दूसरे वर्ण को ग्रहण करना कितना कठिन कार्य था, यह सहज ही समझा जा सकता है? जागाजी अंबालाल मोतीराम झड़ोल निवासी की बहियां यह भी बताती हैं कि उसके बाद भी समय-समय पर बहुत सी क्षत्रिय जातियां आकर माहेश्वरी समाज में मिली हैं और इस तरह माहेश्वरी समाज ने समय को पहचान कर सबको अपने में शामिल कर लिया तथा समय के साथ चलने में शक्ति लगायी, इसी कारण कहा जा सकता है कि समय माहेश्वरी समाज के साथ रहा है, क्योंकि माहेश्वरी मौलिक हैं- जितना स्वयं सृजन है।

नवजागरण की प्रथम ज्योति

वैश्य महासभा सन् १८९२ में स्थापित हुई, उत्तर भारत में वैश्य समाज को एकसूत्र में संगठित करने का प्रयास किया गया, लेकिन वैश्य महासभा का एकाकी संगठन वैश्य समाज को, जो कि अनेक जाति, उपजातियों में विभाजित है, प्रगति देने के लिए नाफाफी था, अत: विविध वैश्य उपजातियों में अपने पृथक संगठन बनाने की भावना पैदा हुई।

पुराने कागजात और इतिहास सामग्री से यह सिद्ध होता है कि सामाजिक जागृति की सर्वप्रथम 'ज्योति' माहेश्वरी समाज में सन् १८९२ में प्रकट हुई, जबकि अजमेर में स्वनामधन्य रा.ब.श्यामसुंदर लाल जी लोईवाल, दीवान किशनगढ़ राज्य से सदुद्योगों के लिए 'माहेश्वरी महासभा' की स्थापना हुई। भारत में माहेश्वरी समाज ही पहला संगठन है, जिसने बालविवाह का निषेध किया एवं इसके प्रस्ताव से प्रेरित होकर समाजसेवी दिवान बहादुर श्री हरि विलास जी शारदा (अजमेर) ने इस आशय का कानून केन्द्रीय असेम्बली में प्रस्तुत किया, जो 'शारदा एक्ट' के नाम से विख्यात है। श्री हरि विलास जी शारदा एवं उनका परिवार प्रारंभ से ही माहेश्वरी **शेष पृष्ठ १४ पर...**

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस 'महेश नवमी' के
पावन पर्व पर आप सबको हार्दिक शुभकामनाएँ

'राजस्थान श्री' गौरी शंकर राठी
अध्यक्ष
श्री माहेश्वरी सभा चेन्नई
Gouri Shankar - Saroj - Amit Kumar Rathi
Brindavan, 3/285, V. V. Subramaniam Salai Nainarkuppam,
Uthandi, Chennai - 600119 (Tamilnadu)
Ph: 044-24530755 | Cell: 9840009451
Email: gourishankarrathi@gmail.com
Amit Trexim Private Limited
2A, Suvarnalok, 34 Malony Road, T. Nagar,
Chennai - 600 017. (Tamilnadu)
Ph: 044-24337156 | Cell: +91 96202 32579
Email: amitkumarr@gmail.com | Cell-9840009451

कर्म की भूमि पर किस्मत का फूल खिलता है। नसीब अगर बुलंदी पर हो तो ही माहेश्वरी में जन्म मिलता है। महेश नवमी के पावन पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

BURHANPUR TEXCOAT INDUSTRIES

Butterfly BOOK BINDING CLOTH

B. P. Lakhotiya
Suresh Lakhotiya

"Butterfly" Manufacturer of Brand Book Binding Cloth

Dargah Road, Lodhipura, Burhanpur, Madhya Pradesh, Bharat - 450 331
Ph: +919425085843| +919425085965 | Tin No: 23031908327
Email: butterflybindingcloth@gmail.com
Web: http://www.butterflybindingcloth.com

महेश जिनका नाम है, कैलाश जिनका धाम है,देवों के देव महादेव को,
हम सबका प्रणाम है... महेश नवमी पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

सर्वे भवन्तु सुखिनः

With Best Compliments

UJJAWAL COMPOSITES PVT. LTD.

MUMBAI

भारत को 'भारत' ही बोला जाए
Remove 'INDIA' Name From The Constitution

महेश जिनका नाम है, कैलाश जिनका धाम है,देवों के देव महादेव को,
हम सबका प्रणाम है... महेश नवमी पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

सर्वे भवन्तु सुखिनः

ममता मोदानी
Mob: 9829245411

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (पश्चिमांचल)
अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन
निदेशक: संगम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस
समिति प्रमुख: कंप्युटर नेटवर्किंग एडवांस तकनीकी
शिक्षा समिति, अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

पृष्ठ १२ से... महासभा से संबंध रहा है।

माहेश्वरी महासभा की स्थापना

माहेश्वरी महासभा का संगठन सन् १९०० ई. में शिथिल हो गया और उसके अधिवेशनों की श्रृंखला टूट गई, लेकिन इस संस्था ने समाज में जन जागृति की जो ज्योति प्रदीप्त की थी, वह जगमगाती रही। जगह-जगह सभाओं और पंचायतों ने समाज सुधार का काम किया, लेकिन वे सब स्थानीय संगठन थे, उनसे सारे देश के माहेश्वरीयों को एकसुत्र में संगठित नहीं किया जा सकता था। समाज के देशव्यापी संगठन के लिए राष्ट्रीय संस्था खड़ी की जाये। सेठ रामनारायणजी राठी, सेठ दामोदर दास जी राठी, तपोधन श्रीकृष्णदास जी जाजू ने अमरावती में सेठ गणेशदास जी राठी के सहयोग से वि.स.१९६४ अर्थात् सन् १९०८ में 'माहेश्वरी महासभा' की स्थापना की।

माहेश्वरी भवन, नागपुर

अमरावती अधिवेशन में कन्या विक्रय, औसर-मौसर, अश्लील गान, वेश्या नृत्य आदि कुप्रथाओं पर प्रबल प्रहार करते हुए, सामाजिक सुधारों की दिशा में आगे बढ़ने का श्री गणेश हुआ। माहेश्वरी बंधुओं ने समाज के कल्याण की ओर ध्यान देना प्रारंभ किया और जगह-जगह कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठने लगी।

शिक्षा कोष, शिक्षा ट्रस्ट एवं शिक्षा केन्द्र का प्रारंभ

'माहेश्वरी महासभा' का द्वितीय अधिवेशन सन् १९१२ में नागपूर में हुआ, इस अधिवेशन में ब्यावर निवासी देशभक्त सेठ दामोदरदासजी राठी के प्रयत्न से शिक्षाकोष की स्थापना हुई।

सामाजिक कुरीतियों का निषेध करने के साथ-साथ शिक्षा संबंधी कार्य करने की दृष्टि से विचार करने एवं तदनुरूप संगठन करने हेतु कमेटियां भी गठित हुईं।

नागपूर महासभा के अवसर पर उपस्थित पोकरण फलौदी के पंचों ने महासभा के नियमानुसार न्यात के ठहराव करवाये। महासभा के नागपूर अधिवेशन के अध्यक्ष ने केवल उन्हें प्रोत्साहित ही नहीं किया, वरन् उनके काम को आगे बढ़ाने में हेतु उपेक्षित सहयोग देने की घोषणा भी की, जिससे प्रथम शिक्षा ट्रस्ट स्थापित हुआ, इस ट्रस्ट ने भी कुछ समय तक 'पोकरण' में शिक्षा प्रचार का काम किया, इसी अधिवेशन की प्रेरणा से मारवाड़ी शिक्षा मंडल, वर्धा की स्थापना हुई।

इस प्रकार महासभा के द्वितीय अधिवेशन में प्रथम शिक्षा कोष, प्रथम ट्रस्ट और प्रथम विद्यालय की रूपरेखा स्पष्ट हुई, जिससे बालक-बालिकाओं को शिक्षण देने और उनमें धार्मिक, नैतिक और गृहकार्य संबंधी शिक्षा पाने की भावना जगाने का कार्य हुआ। जगह-जगह पंचायतें कायम हुईं, रीति-रिवाज निश्चित हुए। सामाजिक सुधार के लिए धन संग्रह करने और उसकी व्यवस्था करने की दृष्टि से कमेटियां बनीं, इसके साथ ही औसर संबंधी नियम समान रूप से लागू करने की बात ध्यान में आई और यही द्वितीय महासभा अधिवेशन की सफल फलश्रुति रही।

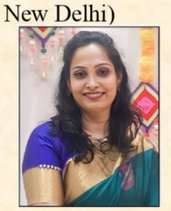

'माहेश्वरी महासभा' के नागपुर अधिवेशन के पश्चात् १९१३ में श्री भागीरथदासजी भूतड़ा आदि के प्रयत्नों से अलीगढ़ में 'श्री जैसलमेरी माहेश्वरी महासभा' स्थापित हुई। १९१४ में इस सभा ने अपना नाम 'माहेश्वरी सभा' रख दिया और १९१५ में 'श्री माहेश्वरी महासभा'। मेरठ अधिवेशन में इसके प्रतिनिधियों ने बीकानेरी, जैसलमेरी, पोकरणी, फलौदी और देशवासी माहेश्वरियों में विवाह संबंध **शेष पृष्ठ १५ पर...**

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें
Remove INDIA Name From The Constitution
भारत को 'भारत' ही बोला जाए

पृष्ठ १४ से... खोलने की मांग की। १९१६ में संपन्न अधिवेशन में इस महासभा का कार्यालय अलीगढ़ से दिल्ली ले जाने एवं कार्यक्षेत्र को व्यापक करने का निर्णय हुआ।

रोटी-बेटी के व्यवहार में उदारता बरतने की सिफारिश

उधर पूर्वागत 'माहेश्वरी महासभा' का तीसरा अधिवेशन १९१७ में पाली में हुआ, जिसमें गुजरात के माहेश्वरी समाज की ओर से सीधा प्रश्न रखा गया कि सैकड़ों वर्षों से मारवाड़ से सम्पर्क न रहने के कारण जो पारस्परिक व्यवहार नहीं रहा है, उसे प्रारंभ किया जाए और पारस्परिक परिचय बढ़ाया जाये? बिना परिचय बढ़े रोटी-बेटी का संबंध कैसे हो? पाली अधिवेशन में पहली बार महासभा की कार्यकारिणी समिति का चुनाव हुआ तथा उसका नाम 'माहेश्वरी मण्डल' रखा गया। अलीगढ़ में गठित महासभा का अधिवेशन १९२० को कोलकत्ता में हुआ, उसमें उपस्थिति बहुत कम रही तब माहेश्वरी समाज में यह चर्चा उठी कि समाज में दो सभाओं की आवश्यकता क्या है? दोनों सम्मिलित हो जानी चाहिए। 'माहेश्वरी महासभा' ने भी इस पर ध्यान दिया। तपोधन श्री कृष्णदासजी जाजू ने श्री माहेश्वरी महासभा अध्यक्ष को विस्तृत पत्र लिखकर एकीकरण की भूमिका बनाई, जिसे श्री माहेश्वरी महासभा ने अपने अलवर अधिवेशन में स्वीकार कर लिया।

राष्ट्रीय आंदोलन का सक्रिय समर्थन

'माहेश्वरी महासभा' का चतुर्थ अधिवेशन १९२१ को 'अकोला' में हुआ। वहां सर्वसम्मत प्रस्ताव द्वारा महासभाओं के सम्मिलित होने की घोषणा कर दी गई, वहीं पहली बार 'माहेश्वरी महासभा' के उद्देश्य एवं नियम सामने आये। अकोला अधिवेशन में सामाजिक, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विषयों की चर्चा हुई और निम्न प्रस्ताव पारित हुए:-

→महात्मा गांधी के नेतृत्व में चल रहे स्वाधीनता आंदोलन को सक्रिय समर्थन दिया जाए और असहयोग कार्यक्रमों में शामिल हुआ जाए।

→स्वदेशी वस्तुएं ही उपयोग में ली जाएं।

→गौरक्षण एवं गोवर्धन के कार्य की अनदेखी न की जाये।

→ देशी राज्यों में उत्तरदायी शासन प्रणाली प्रारंभ की जाये।

→ राष्ट्रभाषा हिन्दी तथा मातृभाषा मारवाड़ी का प्रचार किया जाये।

→संगीत, कला के क्षेत्र में परिष्कृत रूचि को प्रोत्साहन दिया जाये।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की प्रशस्ति

महासभा का पांचवां अधिवेशन १९२२ को कलकत्ता में हुआ, तब आम राय से इस संस्था का नाम **'अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा'** कर दिया गया।

कलकत्ता अधिवेशन के बाद महासभा का विशेष कार्य कलकत्ता से ही होने लगा और इसके संगठन ने व्यापक तथा व्यवस्थित रूप ले लिया।

सत्याग्रह में भाग लेने वालों का प्रोत्साहन

महासभा का कार्य जैसे-जैसे बढ़ता गया और स्थान-स्थान पर इसके प्रस्तावों के परिप्रेक्ष्य में चर्चा वार्ताएं, सभा-संगोष्ठियां हुईं, वैसे-वैसे माहेश्वरी समाज में जीवन और जागृति की लहर बढ़ती गई, इस समाज ने न केवल सामाजिक बुराईयों के खिलाफ संघर्ष प्रारंभ किया, वरन राष्ट्रीय **शेष पृष्ठ १६ पर...**

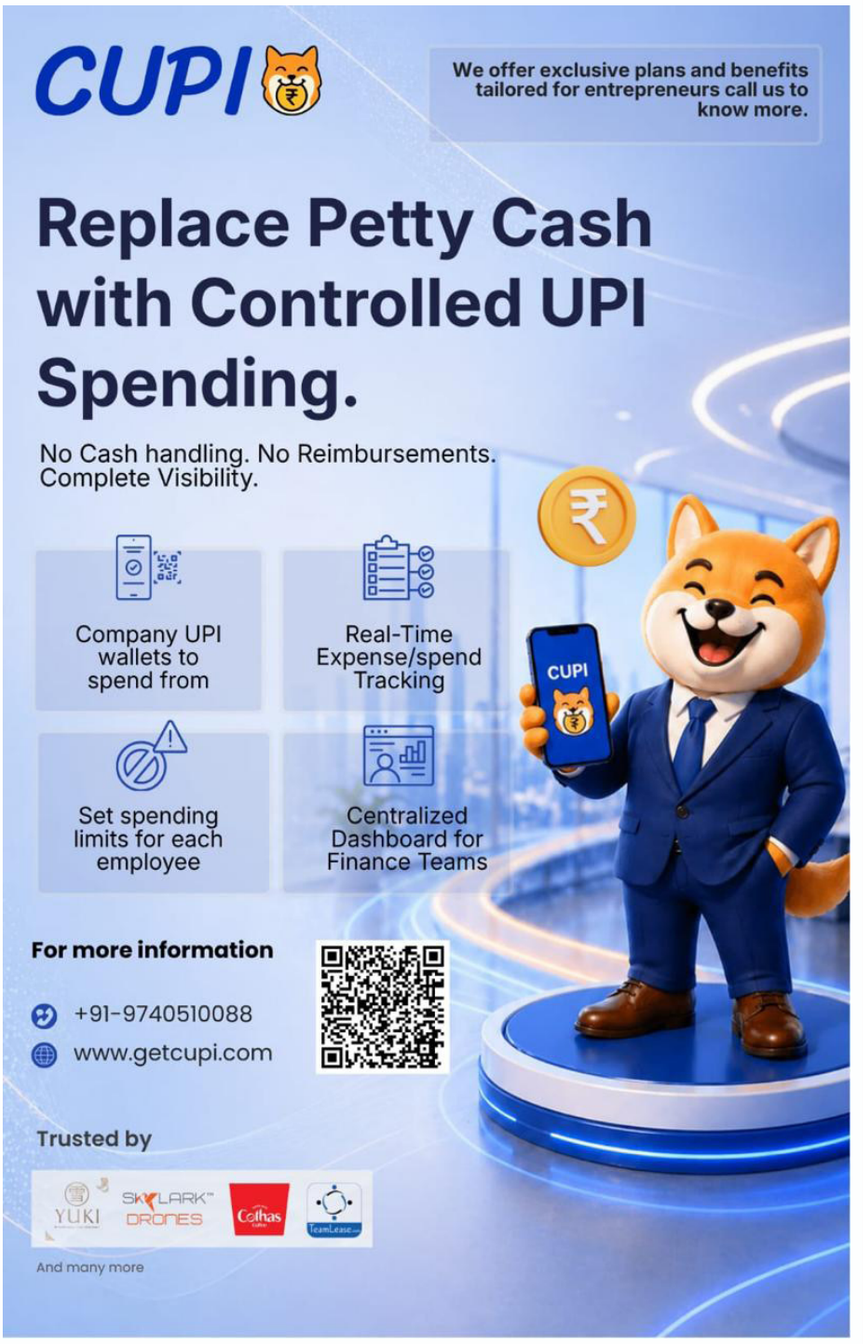

पृष्ठ १५ से... आंदोलन में सक्रिय साथ देना शुरू कर दिया। आम आदमी के लिए भी इस समाज ने यह स्पष्ट किया कि वह जहां रहता है, वहीं रहकर रचनात्मक काम करे। वस्त्र की कमी की संभावना को देखते हुए महासभा ने एक ओर जहां विदेशी कपड़ों के बहिष्कार की अपील की वहीं मील के कपड़े की अपर्याप्तता को मद्देनजर रखते हुए चरखा कातने और ग्रामोद्योगी वस्तुएं इस्तेमाल करने का भी आग्रह रखा, इन सारी बातों में 'महासभा' का राष्ट्रीय स्वरूप पूरी तरह उजागर हुआ, समाज के सभी वर्गों ने उसका अभिनंदन किया और तन-मन-धन से स्वीकृत प्रस्तावों के अनुरूप कार्य करने में कृतार्थता मानी।

स्वतंत्रता संग्राम के बीच महासभा का छठा अधिवेशन १९२३ में इन्दौर में हुआ, वहां खुली अपील की गई कि माहेश्वरी बंधु सत्याग्रह आंदोलन में भाग लेने हेतु त्याग एवं वीरता की भावना के साथ आगे बढ़ें और लोकमान्य तिलक के शब्दों में 'जन्म सिद्ध अधिकार स्वराज्य' को प्राप्त करने में आजादी की भावना का साथ दें।

माहेश्वरी भवन, अमरावती

वाणिज्य उद्योग कम्पनी धंधों की ओर झुकाव

माहेश्वरी समाज खण्डेला के राजा खड़गलसेन के पुत्र सुजानकंवर एवं उनके उमरावों द्वारा कृपाण त्याग कर तराजू हाथ में लेने जैसी घटना से ऐतिहासिक मोड़ ले चुका था, उनके साथ चौहान, पंवार, कछवाहा, पड़िहार आदि क्षत्रिय जातियां अपने आप में माहेश्वरी वैश्यों में शामिल कर चुकी थीं और इस तरह लगातार शामिल होने वाले समान धर्मी भाई वैश्य कर्म को नये-नये आयाम देते हुए आगे बढ़ रहे थे। परंपरा के अनुरूप 'कोलवार' भी अपने को माहेश्वरी कहने लगे, अत: महासभा का सप्तम अधिवेशन १९२४ बम्बई में हुआ, जहाँ यह प्रश्न खड़ा हुआ कि कोलवारों को माहेश्वरी माना जाये कि नहीं? जागाजी अंबालाल मोतीराम (कस्तूरचंद शंकरलालजी) की बहियों से छ: माह तक खोजबीन करवाई गई कि कोलवार माहेश्वरी हैं या नहीं ? उनके साथ रोटी-बेटी का संबंध हो या नहीं? पक्ष-विपक्ष में तरह-तरह की दलीलें आयीं। अधिवेशन का वातावरण अशांत बना। पंचायत पक्ष ने सामाजिक बहिष्कार का उपयोग कर मत स्वातंत्र को दबाने की चेष्टा की, उससे मतभेदों की तीव्रता बढ़ी। फलत: अधिवेशन बीच में ही समाप्त कर देना पड़ा, लेकिन समाप्ति से पूर्व भीतर थी और हमारे पूर्वजों ने इस शक्ति के बल पर बड़े-बड़े कार्य किये। हाल में 'कोलवार' प्रकरण में हमारे समाज की फिर परीक्षा हुई, प्रश्न था कि 'कोलवार' माहेश्वरी हैं या नहीं? महासभा ने तब निर्भीकता का परिचय देते हुए मान लिया कि 'कोलवार' माहेश्वरी हैं। महासभा भले ही सुधार मार्ग पर दौड़कर अग्रसर न हुई हो, पर आगे कदम रखकर पीछे नहीं मुड़ी।

अन्तर्जातीय संबंध खुले

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा का तेरहवां अधिवेशन सूरत में १९४० को हुआ। उपस्थिति एवं प्रगतिशील विचारों की दृष्टि से यह बहुत ही सफल रहा। देश के कोने-कोने से माहेश्वरी बंधु इस अधिवेशन में सम्मिलित होने पहुंचे और समाज के अलग-अलग समुदायों के मिलन रूपी भागीरथी में अवगाहन करके वे कृतार्थ हुए, इस अधिवेशन के अध्यक्ष जी ने भारत की देशी रियासतों के निरंकुश शासन की आलोचना करते हुए कहा कि आज यहां की प्रजा अपने राजनीतिक अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही है। देशी राज्यों की प्रजा अब जाग उठी है और वह अधिक समय तक आगे निरंकुश शासन प्रणाली बर्दाश्त करना नहीं चाहती। देशी राज्यों में जारी आंदोलन को हमारे समाज ने काफी सहयोग दिया है। हमारी महासभा ने आज तक कांग्रेस के आदर्शों और सिद्धांतों के अनुरूप कार्य किया है। वह भी मानी हुई बात है कि राष्ट्र की स्वतंत्रता एवं सम्मान की रक्षा के लिए कांग्रेस जो नीति निश्चित करेगी, माहेश्वरी महासभा और माहेश्वरी समाज अन्य समाजों की तरह उस पर श्रद्धापूर्वक अमल करेगा, मेरा यह निश्चित मत है कि जहां राष्ट्रहित की रक्षा और सम्मान का प्रश्न उपस्थित हो, वहां हमें अपने जातिहित को छोड़कर राष्ट्रहित की रक्षा करनी चाहिए।

इस अधिवेशन में राष्ट्रोन्नति के कार्य में जुटने, बेकारी दूर करने हेतु अखिल भारतीय चरखा संघ द्वारा प्रमाणित खादी अपनाने और यथाशक्ति ग्रामोद्योग वस्तुओं का उपयोग करने से संबंधित प्रस्ताव अनुमोदित हुए, इनमें सबसे अधिक आकर्षित करने वाला प्रस्ताव यह हुआ कि जैसलमेरी, पोकरणी, बीकानेरी, कोलवार, **शेष पृष्ठ १७ पर...**

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम
Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

पृष्ठ १६ से... नागौरी, गुजराती, कच्छी, सिंधी आदि समुदायों में आपस में विवाह संबंध करने में किसी प्रकार की आपत्ति न समझी जाये, साथ ही महासभा ने माहेश्वरी भाइयों से प्रार्थना की, कि वे भिन्न-भिन्न समुदायों में पारस्परिक विवाह संबंध की संकीर्णता नष्ट करने में सहयोगी बनें।

देश की संकटपूर्ण स्थिति में स्वस्थ सहयोग

सूरत अधिवेशन के बाद देश की राजनीतिक स्थिति बहुत ज्यादा उथल-पुथल वाली रही। १९४१ में महात्मा गांधी ने व्यक्तिगत सत्याग्रह आरंभ किया था, जिसमें द्वितीय महायुद्ध तथा अंग्रेज सरकार विरोधी प्रचार करते हुए कार्यकर्ता बड़ी संख्या में गिरफ्तारियां दे रहे थे। ८ अगस्त १९४२ को महात्मा गांधी ने 'भारत छोड़ो' का नारा दिया और जनता से अनुरोध किया कि अंग्रेजी शासन की दासता का अंत करने हेतु आगे आयें। आंदोलन के समाचार बिजली की तरह सारे देश में फैल गये। अंग्रेज सरकार ने राष्ट्र के सभी प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिये। धूत जी की अनुपस्थिति में तपोधन जाजू जी को अध्यक्ष का स्थान ग्रहण करने की प्रार्थना की गई, किन्तु वे भी ९ सितंबर को गिरफ्तार कर कृष्ण मंदिर भेज दिये गये। जाजू जी के बाद श्री ब्रज वल्लभदास जी मूंदड़ा ने महासभा के सभापतित्व का भार वहन किया, उनकी कार्यवधि में १९४६ में चौदहवां ग्वालियर अधिवेशन आयोजित हुआ। अधिवेशन में सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक प्रस्ताव स्वीकृत हुए। प्रस्तावों में जो भावना व्यक्त हुई, वह इस प्रकार है:

- महासभा अंग्रेज सरकार की दमन नीति की निंदा करती है।
- ब्रिटीश सरकार से स्वराज्य प्राप्ति के संबंध में कांग्रेस द्वारा होने वाली समझौता वार्ता का महासभा सम्मान करती है और साथ ही यह भी चेतावनी देना चाहती है कि पाकिस्तान की मांग कदापि स्वीकृत न की जाये।
- अन्न की कमी के कारण हो रहे 'काला बाजार' को देखकर महासभा ने चिंता व्यक्त की और समाज के बंधुओं से अनुरोध किया कि वे काला बाजार की प्रवृत्ति से बचें तथा बदली हुई परिस्थिति में अपने राष्ट्रीय कर्तव्य का दृढ़ता से पालन करें, ताकि संकटपूर्ण खाद्य स्थिति को सुधारने में सहयोग हो सके।
- महासभा ने समाज से व्यापार के आधुनिक तरीकों और साधनों को अपनाने का आग्रह किया।
- बढ़ती हुई वर विक्रय की प्रथा पर चिंता व्यक्त करते हुए इस निंदनीय कार्य को छोड़ने का अभिभावकों से अनुरोध किया गया और समाज के अविवाहित युवकों से अपील की गयी कि वे इस प्रकार के अवांछनीय और लांछनप्रद कृत्य में सहयोग न दें।
- सिंध में वहां के शासकों के अत्याचार से पीड़ित सिंधी समाज के प्रति माहेश्वरी भाइयों ने अपनी सहानुभूति प्रकट की।

स्वर्ण जयंती के रूप में आयोजित ग्वालियर अधिवेशन में इस बात पर गहराई से विचार हुआ कि जहां पहले महासभा को कन्या विक्रय का विरोध करना पड़ रहा था, वहां अब वर विक्रय की समस्या सामने आ गई है। प्रतिनिधियों ने इसी कारण चिंता व्यक्त की कि समाज में दहेज के कारण कन्याओं के लिए सुयोग्य वर मिलने कठिन हो गये हैं, अधिवेशन में सर्वसम्मति से यह मान्य किया गया कि समाज को वर विक्रय का खुला विरोध करना चाहिए। महासभा ने देश के नेताओं को भी सचेत किया कि वे भारत का विभाजन न होने दें।

नवनिर्माण का संकल्प

१५ अगस्त १९४७ को भारत स्वतंत्र हो गया। स्वतंत्रता का आनंद करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत सुखकर नहीं रहा, क्योंकि देश विभाजित हो गया और हिन्दुस्तान-पाकिस्तान के नाम पर होने वाले हिन्दू-मुस्लिम दंगों ने शांतिप्रिय नागरिकों का सुख चैन छीन लिया। देश की सारी शक्ति साम्प्रदायिक उपद्रवों को शांत करने तथा उजड़ कर आये परिवारों को बसाने में लगी। स्वयंसेवी संस्थाएं भी अपने अलग-अलग होने वाले कार्यक्रम छोड़कर पुर्नवास के काम में सहयोगी बन गयीं, ऐसी हालत **शेष पृष्ठ १८ पर...**

महेश जिनका नाम है, कैलाश जिनका धाम है,देवों के देव महादेव को,
हम सबका प्रणाम है... महेश नवमी पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

सर्वे भवन्तु सुखिनः

SR Group
We purify processes
Manufacturing of
Minerals (Lime- Dolo). Fluxses (Flourspar - Graphite)
Ferro Alloys (Fe moly. Fe V. LC Fe Cr)

SK Lakhotia
CMD
MIG LRPC Chairman 2026-27

Factory
Jodhpur. khimsar. Jaipur. (Raj.) / Hospet. Lokapur (Ktk) /
Chandrapur. Pune (Mh.) / Vizag (AP.)

PUNE:
Gat No. 754, Boriaendi,
Taluka Daund, Pune,
Maharashtra, Bharat- 412202

VIZAG:
E23, IDA Auto Nagar,
Vizag, Andhra Pradesh,
Bharat- 530012

HOSPET:
S. No. 5, Bagnal Road, Allanagar,
Hospet, Karnataka,
Bharat- 583203

Corp. Off.: Archies Court, Shankar Sheth Road, Pune, Maharashtra,
Bharat- 411 042 +91 20 26434079, 80, 81 & 83, www.shreeram.net

पृष्ठ १७ से... में महासभा के अधिवेशन टलते गये, ठीक १५ वर्ष बाद १९६१ में महासभा का पन्द्रहवां अधिवेशन दिल्ली में हुआ, अधिवेशन में शरीक होने के लिए इन्दौर से नवयुवकों की टोली साइकिल यात्रा कर गांव-गांव में माहेश्वरी भाइयों को आमंत्रित करती हुई दिल्ली पहुंची, जिसका बहुत अच्छा परिणाम निकला, जगह-जगह से नये चेहरे, नया उत्साह और नया संकल्प लिए अधिवेशन में भाग लेने लोग दिल्ली पहुंचे। दो हजार से अधिक प्रतिनिधियों एवं एक हजार से अधिक दर्शकों की उपस्थिति में यह अधिवेशन दिल्ली के रामलीला मैदान में हुआ, जिसमें नवनिर्माण का संकल्प ध्वनित हुआ।

अध्यक्षजी ने सबकी भावनाओं को अभिव्यक्ति देते हुए कहा कि प्राचीन भारत में चातुरवर्ण्य व्यवस्था थी, उसके शिथिल हो जाने से ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्रों के स्थान पर हजारों जातियां, उपजातियां हो गयी थी। जातिवादी संकीर्णता के चलते राष्ट्रीय एवं मानववादी आस्थाओं को आघात पहुंचा तथा आपसी मतभेद बढ़े, इसलिए नवनिर्माण का तकाजा है कि हम गुणों पर आश्रित जाति व्यवस्था को मान्य करें, जिससे देश एकसूत्र में संगठित रह सके।

आजाद भारत के नागरिकों की मानसिक दुर्बलताओं की ओर इंगित करते हुए अध्यक्षजी ने कहा कि आत्मविश्वास और स्वावलम्बन की भावना छोड़ने की वजह से हम प्रत्येक कार्य में अपने से भिन्न ईश्वर, देवी-देवता, भूत-प्रेत, ग्रह-नक्षत्र आदि अदृश्य कल्पित शक्तियों का आश्रय लेने लगे हैं जो कि ठीक नहीं है। अंधविश्वास तथा सामाजिक रूढ़ियों का परित्याग किये बिना स्वाधीन देश में हम नवनिर्माण की आधार शिला नहीं रख पायेंगे। अध्यक्षजी ने सामाजिक सुधारों के लिए महासभा द्वारा किये जा रहे प्रयत्नों की चर्चा करते हुए दहेज की कुप्रथा पर प्रकाश डाला और कहा कि युवक दहेज को जहर का प्याला समझें और जहां दहेज मांगा जाता हो, वहां कन्याएं अपना विवाह करने से इंकार कर दें।

जाजू ट्रस्ट की महत्वपूर्ण योजना का भरपूर स्वागत हुआ, इसके लिए अपेक्षित राशि तत्काल मिल गयी, कार्य के अनुरूप और राशी मिलते जाने से इस ट्रस्ट ने अनेक उल्लेखनीय कार्य किये जो कि आज भी कर रहा है, यह ट्रस्ट एक प्रकार का शुद्ध सामाजिक कोष है। दिल्ली अधिवेशन में लघु उद्योगों के प्रचार के लिए महासभा ने 'औद्योगिक ब्यूरो की स्थापना' का भी निश्चय किया, इस प्रकार निश्चयात्मक भूमिका में दिल्ली अधिवेशन की कार्यवाही नवनिर्माण का संकल्प क्रियान्वित करने की सफल संयोजना के साथ सम्पन्न हुई।

व्यावसायिक क्षेत्र में आगे बढ़ने का अभियान

महासभा का १६ वां अधिवेशन १९६७ को बीकानेर में हुआ, इस अवसर पर अधिवेशन स्थल पर पहली बार लघु औद्योगिक प्रदर्शनी लगायी गयी, प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए राजस्थान के तत्कालीन उद्योग मंत्री ने माहेश्वरी समाज के उद्योगपतियों से अनुरोध किया कि वे राजस्थान में अपने उद्योग-धंधे स्थापित करें, सरकार उन्हें सब प्रकार की सुविधाएं प्रदान करेगी।

बीकानेर अधिवेशन में समाज के बंधुओं से अपना रहन-सहन सादा और आडम्बररहित रखने तथा अपने वैभव का प्रदर्शन न करने की अपील की, साथ ही यह भी अनुरोध किया कि वे अन्य प्रदेशों की भांति राजस्थान में भी अपने उद्योग धंधे स्थापित करें।

जातीय संगठनों में रूचि लेने वालों की कमी होती देखकर अध्यक्ष महोदय ने युवकों से आग्रह किया कि वे इन संगठनों में सक्रिय हिस्सा लें, अपने इस बात का खंडन किया कि जातीय संगठन राष्ट्रीय प्रगति के लिए उपयोगी नहीं है। राष्ट्र की बहुमुखी प्रगति को न्याय देने के लिए जरूरी है कि प्राथमिक इकाई के रूप में जातीय संगठनों को प्रभावी बनाया जाए, उनका उद्देश्य संकीर्ण हितों की रक्षा करना नहीं, वरन् राष्ट्र के हित में कार्य करना है। महासभा ने दहेज दिखावा आदि के विरोध में निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किया:

'समाज में विवाह संबंधों के अवसर पर किए जाने वाले ठहरावों के विभिन्न रुपों को महासभा सदा हीन दृष्टि से देखती आई है और इनमें आमूल-चूल परिवर्तन करने हेतु प्रयत्नशील है। माहेश्वरी महासभा का अधिवेशन समाज को पुन: सावधान करता है कि वह ठहराव और विवाह के समय किए जाने वाले दहेज के आदान-प्रदान तथा प्रदर्शन का तुरंत अंत करे, ताकि सभी **शेष पृष्ठ २० पर...**

महेश जिनका नाम है, कैलाश जिनका धाम है,
देवों के देव महादेव को, हम सबका प्रणाम है...
महेश नवमी पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

Nandlal Saboo
Mob.:9830653525

Bikas Saboo
Mob.:8820593082

Prakash Saboo
Mob.:9831570637

Mukesh
Mob.:8100017314

PRAKASH TRADING & CO.
Manufacturer
Icon & Hero Kid, Baba Suit

25, Tara Chand Dutt Street, Kolkatta, Bharat-700073
Factory:
122. J. N. Mukharjee Road. Plot no. 99/20.
Near. Ghusury Sri Shyam Baba Mandir, Howrah - 711107

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस
महेश नवमी के पावन पर्व पर आप सबको हार्दिक शुभकामनाएँ

S. L. Rathi
Managing Director

Shree Tube Mfg. co. Pvt. ltd.
Mfgrs. of Stainless Steel Tubes

Mobile: 09422206733/9225307133
E-mail: slrathi@shreetube.com
Website: www.shreetube.com

Works & Regd.Office :
D-4, M.I.D.C., Waluj,
Chh.Sambhajinagar- 431 136.

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

WITH BEST COMPLIMENTS FROM:

Oriental Publishers & Distributors Pvt. Ltd.

(Nurturing Quality Education)

myschoolbookstore.in

AAKASH MAHESHWARI
CEO

SANJEEV SHARDA
DIRECTOR

Regd. Office & Sales Office :
17, Bhawani Dutta lane, Kolkata - 700073
orientalpublishers@ymail.com
9830052649

पृष्ठ १८ से... वर्ग के लोगों को विवाह जैसा आनंदमयी प्रसंग भारस्वरूप न मालूम हो।'

बीकानेर अधिवेशन ने एक प्रस्ताव द्वारा बाल विवाह प्रतिबंधक कानून-शारदा एक्ट के प्रणेता स्व.दीवान बहादुर हरविलास जी शारदा की जन्म शताब्दी ३ जून १९६८ को मनाने का निश्चय किया, इसी प्रकार महासभा की नियमावली के संशोधित प्रारूप को स्वीकृत और क्रियान्वित करने का अधिकार भी कार्यकारी मंडल को दिया।

सर्वांगीण विकास के लिए पंचसूत्री कार्यक्रम

महासभा का सत्रहवां अधिवेशन सन् १९७२ में कलकत्ता में हुआ, इस अधिवेशन में गंभीर विचार चर्चा के पश्चात् समाज के सर्वांगीण विकास के लिए पंचसूत्री कार्यक्रम प्रस्तुत हुआ, जिसमें निम्नलिखित विषयों का समावेश है-

- ◆ सामाजिक नियम तथा आचरण
- ◆ महासभा के संगठन का विस्तार
- ◆ आर्थिक मार्गदर्शन और कार्यक्रम
- ◆ शैक्षणिक दिशाएं एवं कार्य
- ◆ सांस्कृतिक मार्गदर्शन

कलकत्ता अधिवेशन मुख्यत: समाज को क्रियाशील बनाने की दृष्टि से बहुत ही प्रभावशाली रहा। प्रतिनिधियों ने स्थान-स्थान पर स्थानीय संस्थाएं खड़ी करने, प्रांतीय क्षेत्रीय कार्यकर्ता सम्मेलन करने, प्रशिक्षण सत्र चलाने आदि की प्रेरणा प्राप्त की। सबको यह एहसास हुआ कि धनाभाव के कारण समाज की एक भी लड़की शिक्षा से वंचित क्यों रहे? हर लड़की कम से कम मैट्रिक व लड़का ग्रेजुएशन तक की शिक्षा अवश्य प्राप्त करे। समाज के लोगों ने भी महसूस किया कि वे विविध शिल्प, कला और उद्योग का प्रशिक्षण प्राप्त कर न केवल स्वयं स्वावलंबी बनें, वरन् दूसरों को भी स्वावलंबी बनाने में सहभागी रहें। शारिरिक श्रम पर आधारित व्यवसाय, रोजगार या नौकरी को हीन दृष्टि से न देखें, इसके अलावा साहित्य, खेलकूद, अभिनय, नाटक, लेखन, वाद-विवाद प्रतियोगिता और कला आदि क्षेत्र में भी सबको आगे बढ़ाने का संबल मिला। कलकत्ता अधिवेशन में एक और महत्वपूर्ण अध्याय शुरू हुआ, जिसके अनुसार समाज के वयोवृद्ध लोगों को अभिनंदित किया गया। बड़े बुजुर्गों के प्रति आदरभाव रखने की यह परिपाटी सभी लोगों ने पसंद की।

कलकत्ता अधिवेशन ऐसे समय में हुआ, जब राजस्थान व गुजरात में सूखा के कष्टों से जनता त्रस्त थी, इसी कारण विशेष अपील कर माहेश्वरी बंधुओं से आग्रह किया गया कि वे सूखाग्रस्त क्षेत्रों की जनता की सहायता करें व मूल्यों को न बढ़ने दें। अपनी सर्वतोमुखी प्रगति व विकास के लिए स्नेहसूत्र में सबको आबद्ध करने की व्यावहारिक योजना पाकर सबने महसूस किया कि वे अपनत्व अभिवृद्धि करेंगे और समाज के समाधान के अनुरूप आचरण करेंगे, ताकि उनके व्यवहार से अन्य लोग भी प्रेरणा प्राप्त कर सकें। कहने की आवश्यकता नहीं कि इस अधिवेशन से प्रांतीय सभाओं को बल मिला और जगह-जगह बढ़-चढ़कर नवनिर्माण का कार्य किया जाने लगा।

नया मोड़

महासभा का १८ वां अधिवेशन सन् १९७३ को में नागपुर में आयोजित हुआ, सम्मेलन में भाग लेने लगभग ५००० प्रतिनिधि पहुंचे। सम्मेलन स्थल पर औद्योगिक प्रदर्शनी लगायी गयी, इस प्रदर्शनी में लगभग ७०-७५ औद्योगीक प्रतिष्ठानों ने अपने विविध उत्पादनों का प्रदर्शन कर समाज के लोगों को उद्योग क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी, प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए महाराष्ट्र के तत्कालीन उद्योग मंत्री ने माहेश्वरी समाज के उद्योगपतियों से अनुरोध किया कि वे महाराष्ट्र में औद्योगिक प्रतिष्ठान खड़े करें, वैसे प्रतिष्ठानों को महाराष्ट्र सरकार की ओर से हरसंभव सुविधाएं उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया गया। नागपूर अधिवेशन में महासभा के अंतर्गत महिला व युवा संगठनों को व्यवस्थित रूप दिया गया और कार्यकारी मंडल के सदस्यों की संख्या दो सौ से बढ़ाकर चार सौ कर दी गई। इस प्रकार जहां सारे देश में केन्द्रीयकरण की भावना के साथ कार्य करने का अखंड प्रवाह चल रहा था, वहां नागपुर अधिवेशन महासभा को नया मोड़ देने वाला सिद्ध हुआ और इससे न केवल बुजुर्ग वरन् युवक और महिलाएं भी संपूर्ण उत्तरदायित्व के साथ समाज की प्रगति के लिए मोर्चा संभालने की भावना से कटिबद्ध हुई और आज भी कर रही हैं।

महेश नवमी के पावन पर्व पर आप सबको हार्दिक शुभकामनाएं
With Best Compliments from
Srinivasji Anilkumar Lakhotiya
सर्वे भवन्तु सुखिनः
SWASTIK
Swastik Group
Swastik Decor & Events
Swastik Supplying Company
OUR SERVICES
Event Management
Marriage Decorations
Supplying Material
Flower Decoration
German Hanger Installation
Social and Political Gather Arrangements
Exhibition Stall & Other Related Material
14-7-362, Begum Bazar, Hyderabad - 500 012
Ph: 040-24614196, Mob.+91 9393033270
Email: swastiksupplying@gmail.com
... And much More

TATA STEEL
WeAlsoMakeTomorrow

महेश नवमी पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

TATA SHAKTEE
गर्व से जीयो

देश की छत

• ज़ंग–रोधी • अधिक टिकाऊ • सही मोटाई

टोल फ्री: 1800 108 8282

Authorised Distributor

Bihani Enterprises

S-1, Usha Plaza, 3rd Floor, M.I. Road, Jaipur -302001
Mob. :- 9799398135 E-mail Id- bihanientp@gmail.com

महेश नवमी पर्व पर सभी
राजस्थान वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

सर्वे भवन्तु सुखिनः

रामस्वरुप भूतड़ा
Mob. : 9460595551
अध्यक्ष - बाबा रामदेव गोपाल गौशाला समिति

Bank A/c Name - SHRI BABA RAMDEV GOPAL GAUSHALA SAMITI
Bank - UCO Bank
Branch - Pipar City
IFSC Code - UCBA0001188
A/c No. 11880110121467
Phone Pay/GPay No- 9414720508

लटियाली नाडी- चिरड़ाणी, पीपाड़ शहर
जोधपुर, राजस्थान, भारत

गौ माता बनें राष्ट्रमाता अभियान के समर्थन का निवेदन

सदियों का इतिहास हमारा, गौ-संवर्धन अपनाया है
यह अर्थ,धर्म और प्रकृति के, संतुलन का पैमाना है !!

AMIT BUCHASIA
Mob -9819582202
GEETA SIGNAGES PRIVATE LIMITED
One Stop Solution For Pan India Outdoor Advertisement and Retail Branding

3rd Floor, 301, Swaroop Center, Swaroop Center, Om Nagar, Opp Mistry Complex, JB Nagar, Mumbai, State - Maharashtra Bharat Pin - 400059

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

माहेश्वरी परिवार की कुल माताएं

१.सेवल्या माता- माता जी का स्थान राजस्थान के भीलवाड़ा जिले की मांडल तहसील के ग्राम बागौर में है। संवल्या माताजी का मंदिर अति प्राचीन है जो ब्राम्हणी माता के नाम से भी प्रसिद्ध है इस क्षेत्र के लोगों में माताजी के प्रति अटुट श्रद्धा है एवं लोगों की मन्नतें यहां से पूर्ण होती है।

२.बंधर माता- उदयपुर के चित्तौड़गढ के रास्ते पर एयरपोर्ट रोड पर मोमार गाँव से आगे १० किमी. दूर बायें हाथ की तरफ अकोला जानेवाली सड़क पर 'तानागाँव' पड़ता है, इसी 'तानागाँव' की पहाड़ी पर मंदीर है, नवरात्री में नवमी के दिन यहाँ विशाल मेले का आयोजन होता है।

३.सिसणाय माता- माता जी का मंदिर मांडलगांव (भीलवाड़ा) में बताया गया है, सम्पूर्ण जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाई है।

४.झीण माता (सीकर)- मंदिर के पुजारी जी के अनुसार कि सोमानी, जाजू, बजाज, काबरा, राठी, बिड़ला, तोषनीवाल, छापरवाला, तापाड़िया खांप वाले भी मानते हैं, सीकर से २८ किमी. दूर दक्षिण अरावली गिरी में झीण माता का भव्य मंदिर प्राचीन ऐतिहासिक है।

५.बिसवन्त माता (जानकारी उपलब्ध नहीं)

६.चान्दसैण माता (चान्दसिणी माता)- अजमेर से ७० किमी. णालपुरा(टोंक) से १५ किमी टोडा रायसिंह रोड पर टोरडी ग्राम है, माता के पवित्र दर्शन होते हैं।

७.फलौदी माता-समदानी, सिंगी, तुलावटया, वियाल, जुजनोत्या, मालाणी, टुवाणी, गांधी, नख वाले भी फौलादी माता को मानते हैं। मेडता रोड में फौलादी ब्रम्हाणी माता का मंदिर है।

८.संचाय माता- माता जी का मंदिर ओसियां (जिला जोधपुर) में है, भव्य ऐतिहासिक मंदिर है, जैन ओसवाल व अन्य समाजवाले भी मानते हैं।

९.अमल माता- श्री अमलमाता जी का मंदिर ग्राम रिछेड में है। ३५० सीढियों के ऊपर भव्य विशाल मंदिर है, चार भुजाजी से रिछेड़ जाना पड़ता है।

१०.चामुण्डा माता- जोधपुर दुर्ग में चामुण्डा माताजी का भव्य मंदिर है, माताजी का एक अन्य मंदिर सोजत स्थित एक पहाड़ी की गुफा में स्थित है।

११. लिकासण माता- लिकासण माता का मंदिर नागौर जिले के लिकासण गांव में है, यह स्थान नागौर से ७५ किमी. डीडवाना से १८ किमी. छोटी खाटू से ५ किमी. दूर है।

१२.मात्री माता- मात्री माता का स्थान नागौर जिले के खींवसर गाँव में है, यहाँ पूजा नहीं होती है। मात्री माता के इस मंदिर में कोई प्रतिमा नहीं है, अपितु प्रतीक रूप से इस स्थान पर मात्री माता का स्थान है।

१३.दधीमति माता-पुजारी जी ने बताया कि कचौल्या, झखोटिया, इनाणी, लोया, गिलडा, पलोड खांप वाले भी कुल माता दधिमति को मानते हैं। गोठ मांगलोद जिला नागौर में ''मां दधिमति शक्तिपीठ'' नाम से ऐतिहासिक प्रसिद्ध मंदिर है।

१४.सैणल माता-जानकारी उपलब्ध नहीं

१५.डेरूं माता- जानकारी उपलब्ध नहीं

१६.जजेसल माता- जानकारी उपलब्ध नहीं

१७.खींवज माता,पोकण (जैसलमेर)- इनका पोकरण के दक्षिण में ४ कि. मी. दूर फलसूण्ड बाडमेर रोड पर मंदिर तक पक्की सड़क है, खींवज माता ट्रस्ट पोकरण के नाम से बना हुआ है। नवरात्री में मेला भरता है तब दूर-दूर से यात्री आते है।

१८.मम्माय माता- जानकारी उपलब्ध नहीं

१९.जाखण माता- जानकारी उपलब्ध नहीं

२०.सांगल माता- मंदिर भादरिया में स्थित है, यह स्थान एशिया प्रसिद्ध है, यहां अण्डर ग्राउण्ड लॉयब्रेरी है, जिसमें लाखों पुस्तकें हैं तथा १५००० गायों की विशाल गौशाला है।

२१.विसु माता- विसु माता जी को बिसानी, जेठा भट्टड़, कुलधरिया, मेहरा नख वाले भी मानते हैं। जैसलमेर के गडसीसर तालाब के पास मुक्तेश्वर मंदिर से आगे गडीसर आड (बन्धा) के पास मंदिर है।

२२.आशापुर माता- आशापुर माता का पोकरण (जिला जैसलमेर) से ३किमी. शहर से दूर भव्य विशाल मंदिर है, मंदिर के सामने आशापुर माता धर्मशाला भी बनी हुई है।

२३.पाढाया माता- बीकानेर में पाढाया माता का मंदिर पारीक चौक में स्थित है, मंदिर में ठहरने और रहने की व्यवस्था है। मंदिर में रोजाना पुजा अर्चना होती है।

२४.गायल माता- गायल माता मंदिर का जोधपुर के आसोप में है। मंदिर का अ.भा. झंवर समाज का ट्रस्ट बना हुआ है, रहने और ठहरने की अच्छी सुविधा है।

२५.चावण्डा माता- चावण्डा माता का मंदिर जैसलमेर मे १३ कि.मी. लिदरवा (जैन तीर्थ मंदिर) के पास है। (चुन्धी गांव में मंदिर है) मंदिर में ठहरने और रहने की व्यवस्था है, बताते हैं कि श्री चवन ऋषि ने यहां पर तपस्या की थी।

२६.चानण माता- जानकारी उपलब्ध नहीं

२७.सुषमाद माता- सुषमाद माताजी का मंदिर नागौर जिले के कुचेरा ग्राम में है। पुष्कर व मेडता के बीच में कुचेरा पड़ता है।

२८.भद्रकाली माता- भद्रकाली माता का मंदिर हनुमानगढ टाऊन से ७ कि.मी दूर है, यहां भव्य मंदिर बना हुआ है, मंदिर में ठहरने की

शेष पृष्ठ २३ पर...

पृष्ठ २२ से... व्यवस्था पुजारी जी करते हैं।

२९.सुजासन माता- माताजी का मंदिर नागौर जिले के परबतसर में है, मंदिर में माताजी की दोनों समय सेवा-पूजा होती है।

३०.कल्याणी माता- जानकारी उपलब्ध नहीं-

३१.मूसा माता- यह 'दरक' खांप की कुल माता है, मंदिर व स्थान की जानकारी उपलब्ध नहीं है।

३२.खुंखर माता- माता जी का मंदिर नागौर जिले के तोषीना गाँव में है। नागौर से ५० किलोमीटर वाया कोलिया पडता है। यहां श्री भगवानदास जी तोतला, जलगाँव द्वारा मंदिर व धर्मशाला का निर्माण कराया गया है, रहने और ठहरने की बहुत सुंदर व्यवस्था है, मंदिर भव्य व कलात्मक बना हुआ है।

३३.नौसर माता (पुष्कर), अजमेर- नौसर माताजी का मंदिर अजमेर के समीप पर्वत के मध्य पुष्कर से पहले प्रतिष्ठित है। नवदुर्गा के रूप मेंस्थापित नौसर मातजी की प्रतिमा वाला मंदिर करीब १२०० वर्ष सं भी प्राचीन है।

३४.नागणैचा माता- नागणैचा माता का प्राचीन मंदिर बीकानेर शहर निवासियों की आस्था का केन्द्र है। नवरात्रि में मेला लबता है।

३५.बिसला माता- फलौदी शहर के भट्टडों के चौक में बिसल माताजी का भव्य मंदिर बना है। अभी उसमें मूर्ति नहीं लगनी बाकी है। नवरात्रि में मेला लगता है।

३६.खाण्डल माता- मारवाड मूण्डवा जिला नागौर में खाण्डल माता की ५०० वर्ष प्राचीन बंग खांप की कुल माता की प्रतिमा का सन्त श्री आत्माराम जी खाकी के दृष्टान्त द्वारा ज्ञान तालाब के प्रांगण में १३ अप्रैल २००२ को प्रकटय हुआ, जिसकी प्राण प्रतिष्ठा ११ अप्रैल २००३ को हुई। यह मूर्ति श्री नृसिंह मंदिर मूण्डवा में स्थित है।

३७.माणुधणी माता- जानकारी उपलब्ध नहीं।

३८. नौशल्या माता- नागौर जिले के जायल तहसील में नौशल्य माता का मंदिर है। इस मंदिर में प्रतिमा नहीं है। माण्डकर पूजारी जी ने बताया कि यहाँ अग्रवाला समाज केसाथ खटौड खँप वाले भी आते हैं।

३९.आशवरी माता- जानकारी उपलब्ध नहीं।

४०.मुन्दल माता- मुन्दल माता जी का मंदिर नागौर जिला के मुन्दियाड गाँव में है, जो नागौर से २४ कि.मी. दूर है। ठहरने तथा रहने की इच्छी व्यवस्था है।

४१.जीवण माता- जानकारी उपलब्ध नहीं।

४२.आशापुरा माता- नाडोल जिला से ६० किमी. उदयपुर के रास्ते में नाडोल जिला पाली पडता है। आसणी कोट के पास विशाल प्रसचीन मंदिर है।

४३.डाहरी माता- जानकारी उपलब्ध नहीं।

४४.बागलेश्वरी माता- जानकारी उपलब्ध नहीं।

४५.बागलोद माता- जानकारी उपलब्ध नहीं।

४६.हिंगलाज माता- बीकानेर के पास कोलायत से ३ कि.मी. की दूरी पर मढ गाँव में हिंगलाज माताका पुराना ऐतिहासिक मंदिर सम्वत् १६४८ में बना हुआ बताते हैं।

४७.गारस माता- जानकारी उपलब्ध नहीं।

४८.धोलेश्वरी माता- धोलेश्वरी माताजी का मंदिर अलवर जिले के लक्ष्मणगढ तहसील में वहलुकला ग्राम के नजदीक पहाड़ी पर स्थित है, यह धोल पर्वत के नाम से जाना जाता है।

४९.भैंसादश्री माता- भैंसादश्री माता का मंदिर नीमच सिटी के मीणा मोहल्ले में नदी किनारे पर है, यह मंदिर ६०० वर्ष पुराना बताते हैं।

५०.नवासण माता- जानकारी उपलब्ध नहीं।

५१.धरज माता, पोकरण- माताजी का मंदिर पोकरण शहर के मध्य स्थित है। विवाह-जात, झुडुला के लिए गाँधी, नावंदर परिवार आते हैं, इसके अलावा धरजल माता का मंदिर घेवडा जिला जोधपुर में भी है।

५२.डोरसिया माता,डारू- नागौर जिले के खींवसर से मैन रोड से जोरापुर गाँव से ६ किमी. दूर डारू गाँव है। डारू गाँव के २ किमी. दूर तालाब के किनारे मंदिर बना हुआ है। डोरसिया माता जी ट्रस्ट सेवा समिति गाँव डारू, नागौर नाम से बनी हुई है।

५३.सोढल माता- गोलकिया, पंसारी नख वाले मानते हैं। सोढत माताजी का मंदिर जैसलमेर दुर्ग में थोड़े आगे चलते ही अखैप्रोल के पास में ही स्थापित है, यह मंदिर ४०० वर्ष पुराना बताते हैं।

५४.बीस हत्थ माता, जोधपुर- इनका मंदिर भैरूनाथ जोधपुर में जैन मंदिर के प्रांगण में है, वहाँ पर धर्मशाला भी है। जोधपुर में माहेश्वरी भवन के अनेकों होटल, धर्मशालाएं हैं जहाँ पर ठहरने की अच्छी व्यवस्था है।

५५.द्विजेश्वरी माता- यह मंदिर हनुमानगढ जिले के नोहर तहसील के भूकरका गाँव में है। कुल माता का नाम द्विजेश्वरी माता है। माताजी के मंदिर में पचीसिया नख वालों की विवाह की जात तथा मुण्डन संस्कार होते हैं।

५६.भादरिया माता- भादरिया (जैसलमेर) में भव्य मंदिर है। यहा ठहरने के लिए माहेश्वरी भवन की धर्मशालाएं व होटल भी हैं।

५७.सामल माता-

५८.ब्राम्हणी माता- माँ दुर्गा के दूसरे स्वरूप का नाम ब्रम्हचारिणी है यहां शब्द का अर्थ तपस्या है। कठोर तपस्या को चारिणी होने के कारण ही प्रसिद्धि 'ब्रम्हचारिणी' नाम से हुई।

५९.जसाय मात- जानकारी उपलब्ध नहीं

राष्ट्रमाता बनें
निवेदक: मैं भारत हूँ फाउंडेशन

हम हैं माहेश्वरी

माहेश्वरियों के प्रमुख त्यौहार इस प्रकार हैं:
- महेश नवमी • गुरु पूर्णिमा • नवरात्रि
- दीपावली • ऋषि पंचमी
- (माहेश्वरी रक्षाबंधन)
- श्रावणमास • कजरी तीज
- महाशिवरात्रि • करवा चौथ

धर्म के अनुयायियों को माहेश्वरी कहते हैं, इसे कभी-कभी मारवाड़ी या राजस्थानी भी लिखा जाता है। मान्यता के अनुसार माहेश्वरियों की उत्पत्ति (वंश) भगवान महेश के कृपा-आशीर्वाद से ही हुआ है इसलिए 'महेश परिवार' (भगवान महेशजी, माता पार्वती एवं गणेशजी) को माहेश्वरियों के (माहेश्वरी वंश के) कुलदेवता/कुलदैवत माना जाता है। माहेश्वरियों के धार्मिक स्थान को मंदिर (महेश मंदिर) कहते हैं। भारत की आजादी की लड़ाई में और भारत की आर्थिक प्रगति भारत को 'भारत' ही कहा जाए अभियान की सफलता में माहेश्वरियों का बहुत बड़ा योगदान है। जन्म-मरण विहीन एक ईश्वर (महेश) में आस्था और मानव मात्र के कल्याण की कामना माहेश्वरी धर्म के प्रमुख सिद्धान्त हैं। माहेश्वरी समाज सत्य, प्रेम और न्याय के पथ पर चलता है। शरीर को स्वस्थ-निरोगी रखना, कर्म करना (मेहनत और ईमानदारी से काम करना) बांट कर खाना और प्रभु की भक्ति (नाम जाप एवं योग साधना) करना इसके आधार हैं। माहेश्वरी अपने धर्माचरण का पूरी निष्ठा के साथ पालन करते है तथा जिस स्थान/देश/प्रदेश में रहते है वहां की स्थानिक संस्कृति का पूरा आदर-सम्मान करते हैं। यह माहेश्वरी समाज की विशेष बात है। आज दुनियाभर के कई देशों में और तकरीबन भारत के हर राज्य, हर शहर में माहेश्वरी परिवार बसे हुए हैं और अपने अच्छे व्यवहार के लिए पहचाने जाते हैं।

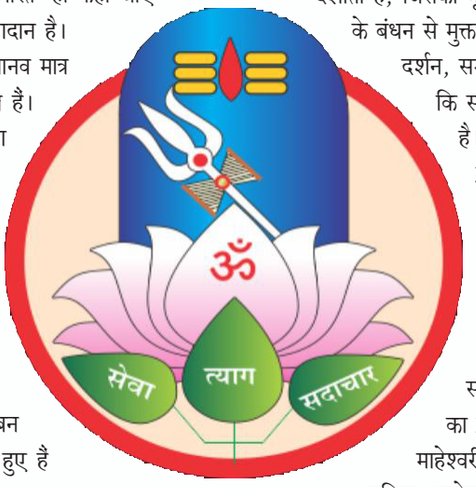

माहेश्वरी निशान-प्रतीक चिन्ह

माहेश्वरी उत्पत्ति के समय माहेश्वरियों के गुरु ने माहेश्वरी धर्म के निशान (प्रतीक चिह्न) का एक स्वरूप बनाया था, आजकल लगभग सभी वैवाहिक कार्ड, दीपावली कार्ड, आमंत्रण-पत्र एवं अन्य कार्यक्रमों की पत्रिकाओं में इस निशान (प्रतीक चिह्न) का प्रयोग किया जाता है। यह निशान (प्रतीक चिह्न) माहेश्वरी परम्परा में श्रद्धा एवं विश्वास का द्योतक है।

माहेश्वरी निशान का अर्थ

माहेश्वरी निशान (प्रतीक चिह्न) कई मूल भावनाओं को अपने में समाहित करता है, यह माहेश्वरी समाज का एक पवित्र निशान (प्रतीक चिह्न) है, जिसमें एक त्रिशूल और त्रिशूल के बीच के पाते में एक वृत्त तथा वृत्त के बीच ॐ (प्रणव) होता है। त्रिशूल धर्मरक्षा के लिए समर्पण का प्रतीक है। "त्रिशुल" शस्त्र भी है और शास्त्र भी है आततायियों के लिए यह एक शस्त्र है, तो सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र का यह एक अनिर्वचनीय शास्त्र भी है। त्रिशुल विविध तापों को नष्ट करने वाला एवं दुष्ट प्रवृत्ति का दमन करने वाला है। त्रिशूल का दाहिना पाता सत्य का, बाया पाता न्याय का और बीच का पाता प्रेम का प्रतिक भी माना जाता है। त्रिशूल माहेश्वरी धर्म को दर्शाता है, जिसका मूल भाव सत्य-प्रेम-न्याय है, प्रत्येक संसारी प्राणी जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्त होना चाहता है। त्रिशूल के तीन पाते सम्यक रत्नत्रय-सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान एवं सम्यक चरित्र को दर्शाते है और संदेश देते है कि सम्यक रत्नत्रय के बिना प्राणी मुक्ति को प्राप्त नहीं कर सकता है। सम्यक रत्नत्रय की उपलब्धता माहेश्वरीत्व के अनुसार मोक्ष प्राप्ति के लिए परम आवश्यक है। वृत्त के बिच का 'प्रणव' पवित्रता का प्रतीक है, अखिल ब्रम्हांड का प्रतीक है। सभी मंगल मंत्रों का मूलाधार ॐ है। परमात्मा के असंख्य रूप है उन सभी रूपों का समावेश प्रणव (ॐ) में हो जाता है। ॐ सगुण निर्गुण का समन्वय और एकाक्षर ब्रम्ह भी है। भगवदगीता में कहा गया है "ओमित्येकाक्षरं ब्रम्ह" माहेश्वरी समाज आस्तिक और प्रभुविश्वासी रहा है, इसी ईश्वर श्रध्दा का प्रतीक है ॐ।

माहेश्वरी का बोधवाक्य - माहेश्वरियों का बोधवाक्य' सर्वे भवन्तु सुखिनः माहेश्वरियों की विचारधारा को, संस्कृति को दर्शाता है। सर्वे भवन्तु सुखिनः अर्थात केवल माहेश्वरियों का ही नहीं बल्कि सर्व (सभीके) सुख की कामना करनेवाला तथा सत्य, प्रेम, न्याय का उद्घोषक, माहेश्वरी निशान सचमुच बड़ा अर्थपूर्ण है। माहेश्वरी निशान का दर्शन अत्यंत मंगलमय है, इसे देखते ही आंतरिक शक्ति, उर्जा जागृत हो जाती है, इसे देखते ही अनेक प्रेरक भाव मन में प्रस्फुटित होते हैं।

उपयोग निर्देश

माहेश्वरी निशान (प्रतीक चिह्न) किसी भी विचारधारा, दर्शन या दल के ध्वज के समान है, जिसको देखने मात्र से पता लग जाता है कि यह किससे संबंधित है, परंतु इसके लिए किसी भी निशान (प्रतीक चिह्न) का विशिष्ट (यूनीक) होना एवं सभी स्थानों पर समानुपाती होना बहुत ही आवश्यक है, यह भी आवश्यक है कि प्रतीक का प्रारूप बनाते समय जो मूल भावनाएँ इसमें समाहित की गई थी, उन सभी मूल भावनाओं को यह चिह्न अच्छी तरह से प्रकट करता है।

शेष पृष्ठ २५ पर...

मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारत को 'भारत' ही बोला जाए
www.mainbharathun.co.in

पृष्ठ २४ से... **माहेश्वरी निशान-प्रतीक चिन्ह**

माहेश्वरी उत्पत्ति के समय माहेश्वरियों के गुरु ने माहेश्वरी धर्म के निशान (प्रतीक चिह्न) का एक स्वरूप बनाया था, आजकल लगभग सभी वैवाहिक कार्ड, दीपावली कार्ड, आमंत्रण-पत्र एवं अन्य कार्यक्रमों की पत्रिकाओं में इस निशान (प्रतीक चिह्न) का प्रयोग किया जाता है। यह निशान (प्रतीक चिह्न) माहेश्वरी परम्परा में श्रद्धा एवं विश्वास का द्योतक है।

माहेश्वरी निशान का अर्थ

माहेश्वरी निशान (प्रतीक चिह्न) कई मूल भावनाओं को अपने में समाहित करता है, यह माहेश्वरी समाज का एक पवित्र निशान (प्रतीक चिह्न) है, जिसमें एक त्रिशूल और त्रिशूल के बीच के पाते में एक वृत्त तथा वृत्त के बीच ॐ (प्रणव) होता है। त्रिशूल धर्मरक्षा के लिए समर्पण का प्रतीक है। ''त्रिशुल'' शस्त्र भी है और शास्त्र भी है आततायियों के लिए यह एक शस्त्र है, तो सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र का यह एक अनिर्वचनीय शास्त्र भी है। त्रिशुल विविध तापों को नष्ट करने वाला एवं दुष्ट प्रवृत्ति का दमन करने वाला है। त्रिशूल का दाहिना पाता सत्य का, बाया पाता न्याय का और बीच का पाता प्रेम का प्रतिक भी माना जाता है। त्रिशूल माहेश्वरी धर्म को दर्शाता है, जिसका मूल भाव सत्य-प्रेम-न्याय है, प्रत्येक संसारी प्राणी जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्त होना चाहता है। त्रिशूल के तीन पाते सम्यक रत्नत्रय-सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान एवं सम्यक चरित्र को दर्शाते हैं और संदेश देते हैं कि सम्यक रत्नत्रय के बिना प्राणी मुक्ति को प्राप्त नहीं कर सकता है। सम्यक रत्नत्रय की उपलब्धता माहेश्वरीत्व के अनुसार मोक्ष प्राप्ति के लिए परम आवश्यक है। वृत्त के बिच का 'प्रणव' पवित्रता का प्रतीक है, अखिल ब्रम्हांड का प्रतीक है। सभी मंगल मंत्रों का मूलाधार ॐ है। परमात्मा के असंख्य रूप है उन सभी रूपों का समावेश प्रणव (ॐ) में हो जाता है। ॐ सगुण निर्गुण का समन्वय और एकाक्षर ब्रम्ह भी है। भगवदगीता में कहा गया है ''ओमित्येकाक्षरं ब्रम्ह'' माहेश्वरी समाज आस्तिक और प्रभुविश्वासी रहा है, इसी ईश्वर श्रध्दा का प्रतीक है ॐ।

माहेश्वरी का बोधवाक्य - माहेश्वरियों का बोधवाक्य' सर्वे भवन्तु सुखिनः माहेश्वरियों की विचारधारा को, संस्कृति को दर्शाता है। सर्वे भवन्तु सुखिनः अर्थात केवल माहेश्वरियों का ही नहीं बल्कि सर्व (सभीके) सुख की कामना करनेवाला तथा सत्य, प्रेम, न्याय का उद्घोषक, माहेश्वरी निशान सचमुच बड़ा अर्थपूर्ण है। माहेश्वरी निशान का दर्शन अत्यंत मंगलमय है, इसे देखते ही आंतरिक शक्ति, उर्जा जागृत हो जाती है, इसे देखते ही अनेक प्रेरक भाव मन में प्रस्फुटित होते हैं।

उपयोग निर्देश

माहेश्वरी निशान (प्रतीक चिह्न) किसी भी विचारधारा, दर्शन या दल के ध्वज के समान है, जिसको देखने मात्र से पता लग जाता है कि यह किससे संबंधित है, परंतु इसके लिए किसी भी निशान (प्रतीक चिह्न) का विशिष्ट (यूनीक) होना एवं सभी स्थानों पर समानुपाती होना बहुत ही आवश्यक है, यह भी आवश्यक है कि प्रतीक का प्रारूप बनाते समय जो मूल भावनाएँ इसमें समाहित की गई थी, उन सभी मूल भावनाओं को यह चिह्न अच्छी तरह से प्रकट करता है।

महादेव महेश्वर की कृपा का चमत्कार,
माहेश्वरी समाज को जाने सारा संसार
महेश नवमी के पावन पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

सर्वे भवन्तु सुखिनः

Gwaldas Shakuntala Karnani
Mob: 9940067582
19/10, Manikeshwari Street, Shreshta Anugraha, Apartment, Plat No. 3B, Kilpauk, Chennai, Tamilnadu, Bharat - 600010

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

महेश जिनका नाम है, कैलाश जिनका धाम है,देवों के देव महादेव को,
हम सबका प्रणाम है... महेश नवमी पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

सर्वे भवन्तु सुखिनः

ओमप्रकाश कुंजी लाल भैय्या
Govt. Contractor & Building Material Supply
भ्रमणध्वनि : ९८२२२००६३१ दूरध्वनि : ०७२१-२६६००४६
श्रीनाथ दाल मिल
A-35, Near Aanand Marbles MIDC, Amravati, Maharashtra, Bharat - 444607
पियुष ओ भैय्या भ्रमणध्वनि : ८९५६६६२३२७
अखिलेश ओ भैय्या भ्रमणध्वनि : ९८२३२३१२७६

माहेश्वरियों का अति पवित्र दिन महेश नवमी

भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है जहां विभिन्न धर्म, जाति और समुदाय के भिन्न-भिन्न रिति-रिवाज व अनुष्ठान मौजूद हैं। इन्हीं समुदायों में से एक समुदाय है महेश्वरी समाज, जिस तरह प्रत्येक समुदाय के अपने अनुष्ठान और त्यौहार होते हैं वैसे ही महेश्वरी समुदाय का भी अपना अनुष्ठान है, जिसे 'महेश नवमी' कहते हैं। यह समुदाय देश के उत्तरी हिस्से में अधिक प्रचलित है और हर साल महेश्वरी समाज महेश नवमी उत्साह और हर्ष के साथ मनाता है। हालांकि यह समुदाय छोटा है लेकिन फिर भी पूरे देश में फैला हुआ है। महेश नवमी हिन्दू कैलेंडर के अनुसार ज्यैष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी को मनाई जाती है, इस बार महेश नवमी १९ जून को मनाई जाएगी। यह त्यौहार मुख्य रूप से भगवान शिव के भक्तों द्वारा मनाया जाता है। भगवान शिव के कई नाम है कोई उन्हें महादेव तो कोई भोले भंडारी, तो कोई त्रिनेत्र कहता है। शिव के लोकप्रिय नामों में से एक नाम 'महेश' है। यह नाम भगवान शिव की ओर अत्याधिक भक्ति का प्रतीक है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि इस दिन वह अपने भक्तों के सामने पहली बार दिखाई दिए थे। भगवान शिव के वरदान स्वरूप महेश्वरी समाज की उत्पत्ति मानी गई है, इनका उत्पत्ति दिवस ज्येष्ठ शुक्ल नवमी है, जो महेश नवमी के रूप में मनाई जाती है। माना जाता है कि महेश स्वरूप में आराध्य भगवान 'शिव' पृथ्वी से भी ऊपर कोमल कमल पुष्प पर बेलपत्ती, त्रिपुंड, त्रिशूल, डमरू के साथ लिंग रूप में शोभायमान होते हैं।

महेश नवमी का महत्व: 'महेश नवमी' मनाने के पीछे कई कहानियां छिपी है। खांडेलसेन नाम का एक राजा था, जिसको पुत्र नहीं था, इसलिए उन्होंने भगवान शिव की पूर्ण समर्पण और भक्ति के साथ पूजा की, जिसके बाद भगवान ने उसे सुजानसेन नामक बेटा होने का आशीर्वाद दिया, बाद में वह राज्य का राजा बन गया। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार महेश्वरी समाज के पूर्वज क्षत्रिय वंश के थे। एक दिन जब इनके वंशज शिकार पर थे तो इनके शिकार कार्यविधि से ऋषियों के यज्ञ में विघ्न उत्पन्न हो गया, जिस कारण ऋषियों ने इन लोगों को श्राप दे दिया था कि तुम्हारे वंश का पतन हो जायेगा, महेश्वरी समाज श्राप के कारण ग्रसित हो गया, किन्तु ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन भगवान शिव जी की कृपा से उन्हें श्राप से मुक्ति मिली तथा शिव जी ने इस समाज को अपना नाम दिया, इसलिए इस दिन से यह समाज 'महेश्वरी' के नाम से प्रसिद्ध हुआ। भगवान शिव जी की आज्ञानुसार महेश्वरी समाज ने क्षत्रिय कर्म को छोड़कर वैश्य कर्म को अपना लिया, अतः आज भी महेश्वरी समाज वैश्य रूप में पहचाने जाते हैं।

महेश नवमी का जश्न: 'महेश नवमी' मुख्य रूप से सनातनियों का त्यौहार है और देश के सभी हिस्सों के साथ विशेष रूप से राजस्थान में मनाया जाता है। देश के सभी हिस्सों में भक्त इस दिन भगवान महेश और देवी पार्वती की पूजा करते हैं। मंदिर फूलों से सजाए जाते हैं और पूरे स्थान को पवित्र किया जाता है। इस दिन नए विवाहित जोड़ों से विशेष रूप से खुशी और सद्भावना के साथ अपने जीवन में नया चरण शुरू करने के लिए भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करने के लिए कहा जाता है।

महेश नवमी के अनुष्ठान: 'महेश नवमी' पर्व पर रात भर विभिन्न यज्ञों और मंत्रों का उच्चारण किया जाता हैं। भगवान शिव की विशेष झांकी निकाली जाती है, भगवान महेश से प्रार्थना की जाती हैं, उनकी कहानियां और प्रशंसा सुनाई जाती है। भगवान महेश का अभिषेक किया जाता है और शिव-पार्वती को इस दिन मंदिरों में सुंदर ढंग से सजाया जाता है। भजन संध्या मंदिर परिसर में होती है और आखिर में सभी भक्त प्रसाद ग्रहण करते हैं। लोग इस उत्सव को भगवान शिव और देवी पार्वती के प्रति अत्याधिक समर्पण, प्रेम और विश्वास के साथ मनाते हैं। एक विशेष धारणा है कि इस दिन जो महिलाएं बच्चे की इच्छा रखती हैं तथा शिव जी से इस दिन विशेष प्रार्थना करतीं है तो उन्हें भगवान शिव आशीर्वाद देते हैं, उनकी हर इच्छा पूरी करते हैं। केवल मंदिरों में ही इस दिन यज्ञ और प्रार्थना नहीं की जाती, अपितु लोग अपने-अपने घरों में भी महेश-पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना करते हैं, साथ ही शिव-पार्वती से सुखी जीवन की प्रार्थना भी करते हैं।

महेश नवमी के पावन पर्व पर आप सबको हार्दिक शुभकामनाएँ
प्रो. जाजु ब्रदर्स
मो. 7588848888
गोपाल हार्डवेअर
गोपाल पेन्टस् हाऊस
asianpaints Dulux Birla White
G.K. Jaju & Associates
Income Tax & GST Practitioner
Gopal Jaju
B.com, DTL, LLB, GDC&A
Mondha Raod, Georai
Dist. Beed - 431 127
मोंढा रोड, गेवराई, जि. बीड ☎ : 02447-262997, Mob : 9422555379, 9372555379
Email : gopalpainthouse@gmail.com, adv.gopaljaju@gmail.com

वैश्य महासम्मेलन की ओपीडी में ६८ वृद्धजन ने कराया परीक्षण

इंदौरः पलासिया स्थित तेरापंथ भवन में घुटना परीक्षण ओपीडी शिविर का आयोजन वैश्य महासम्मेलन द्वारा किया गया। अहमदाबाद के धीरज मारोठी जैन की टीम ने ६८ वृद्धजन के घुटनों और कूल्हे के जोड़ों की जांच की। जैन समाज के सहयोग से नाममात्र शुल्क पर यह शिविर आयोजित किया गया, जिसमें पीड़ित लोगों को सेकंड ओपिनियन भी दिया गया। सुबह १० बजे प्रारंभ हुए शिविर में टीम के सदस्यों ने घुटने की सर्जरी प्रक्रिया, बीमारी के कारणों और ऑपरेशन के पश्चात बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में मरीजों का मार्गदर्शन किया। इस दौरान फतेहचंद सिंगी, प्रेम वैद्य और सुरेन्द्र डाकलिया सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। संगठन के प्रदेश महामंत्री अरविंद बागड़ी ने बताया, जल्द ही शहर में वैश्य घटकों के लिए व्यापक स्तर पर इसी तरह का शिविर आयोजित किया जाएगा।

'मेरा राजस्थान' पत्रिका के प्रबुद्ध पाठक सत्यनारायणजी नुवाल पद्मश्री से सम्मानित

राजस्थानी समाज के लिए अत्यंत गर्व एवं हर्ष का विषय है कि सत्यनारायणजी नुवाल, नागपुर को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में देश के प्रतिष्ठित 'पद्मश्री' सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान, सेवा, समर्पण एवं राष्ट्रहित में किए गए कार्यों का गौरवपूर्ण सम्मान है, उनकी इस उपलब्धि के लिए सम्पूर्ण राजस्थानियों के लिए गौरवान्वित करने वाला क्षण बना है।

'मेरा राजस्थान' पत्रिका परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई, शुभकामनाएँ एवं उज्ज्वल भविष्य हेतु मंगलकामनाएँ प्रेषित हैं।

महादेव महेश्वर की कृपा का चमत्कार, माहेश्वरी समाज को जाने
सारा संसार महेश नवमी के पावन पर्व पर
हार्दिक शुभकामनायें

सर्वे भवन्तु सुखिनः

AMBER®
Fashionable Textile Shoppee
CUTTACK - BHUBANESWAR

Manik Chand Mundhra
Mob: 9437017262

Sunil Kumar Mundhra
Mob: 9473014989

Manoj Kumar Mundhra
Mob: 9437027723

Ashok Kumar Mundhra
Mob: 9437047723

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए, INDIA नहीं एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

जय उमा महेश जय भारत जय उमा महेश
माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी के
पावन पर्व पर आप सबको हार्दिक शुभकामनाएँ

सर्वे भवन्तु सुखिनः

Shyam Baheti
Mob: 9391038450

Manoj Baheti
Mob: 9391037995

BAHETI STEEL TRADERS
Stockist in: TATA TISCON, Radha (T.M.T),
JAIRAJ, DEVASHREE TMT BAR
H.O.: 3-1-336, Esamia Bazar, Hyderabad, Telangana, Bharat - 500 027
Ph: (0) 24652539, 24656753, 24653542, 24653543 (R) 24656631, 24653233
B.O.: Nacharam, Hyderabad Karmanghat, Hyderabad

जयपुर प्रवासी संघ की कमान सुनील सिंघवी के हाथ

मुंबई: राजस्थानी समाज की प्रमुख संस्था 'जयपुर प्रवासी संघ' (जेपीएस) की नई कार्यकारिणी के गठन की घोषणा समारोहपूर्वक की गई। पार्ले इंटरनेशनल होटल में आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष पद के लिए सुनील सिंघवी का सर्वसम्मति से चयन किया गया, समारोह के दौरान जेपीएस की निवर्तमान कार्यकारिणी के कार्यों की सराहना के साथ उनको भावभीनी विदाई दी गई।

'जयपुर प्रवासी संघ' के गवर्निंग संरक्षक कृष्ण कुमार राठी, संरक्षक श्रीमती कुसुम काबरा, चुनाव अधिकारी मनमोहन बागड़ी, वर्तमान अध्यक्ष धर्मचंद कोठारी, सचिव अरुण कुमार निगोतिया, कोषाध्यक्ष अनिल हीरावत सहित संघ के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार भी विशेष रूप से इस समारोह में उपस्थित रहे। परिहार ने 'जयपुर प्रवासी संघ' की गतिविधियों की सराहना करते हुए संघ को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। समारोह में उपस्थित सदस्यों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनील सिंघवी को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में 'जेपीएस' नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा समाजहित के कार्यों को और अधिक गति मिलेगी। 'जेपीएस' की नई कार्यकारिणी में अनिल कुमार हीरावत, अनिल अग्रवाल, अनिल कर्णावट, अनीता माहेश्वरी, धर्मचंद कोठारी, दीपेन्द्र बैराठी, गिरीश अग्रवाल, मधु कुमार राठी, निलीन सोखिया, राज कुमार बैद, मनीष शाह, मनीष कचोलिया एवं विजय सेठ को शामिल किया गया है।

उल्लेखनीय है कि सुनील सिंघवी इससे पूर्व भी संघ में सचिव एवं अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी निभा चुके हैं, सभी सदस्यों ने सुनील सिंघवी को संस्था के प्रत्येक कार्य में पूर्ण योगदान का विश्वास दिलाते हुए गतिविधियों को आगे बढ़ाने की सहमति जताई। 'जेपीएस' के संरक्षक कृष्ण कुमार राठी ने निवर्तमान कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के योगदान की सराहना करते हुए उनका सम्मान किया तथा नई कार्यकारिणी के सफल कार्यकाल की कामना की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनील सिंघवी ने नई कार्यकारिणी के सदस्यों की घोषणा की।

महेश नवमी पर्व पर सभी राजस्थान वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

सर्वे भवन्तु सुखिनः

Omprakash Gaggar
Mob: 9820182019

Santosh Gaggar
Mob: 9435093820

Babulal Gaggar
Mob: 09435052427

A LEADING SHOWROOM WITH ALL KINDS OF

suitings, shirtings, pants, jeans, dhoti, panjabi - kurta, shirts, sarees,kurti-sets,
children wear, baba suits, frocks, inner-wear, rain suits as well as blankets,bedsheet sets,
and luggage items such - V.I.P, Aristocrat, Safari

JORHAT FANCY CLOTH STORE

A.T. Road, Jorhat, Assam, Bharat-785001
दूरध्वनि : 0376-2320121 e-mail: babulalgaggar@gmail.com

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

'ना' कैसे कहें?'

जी हाँ, हम सभी के जीवन में ऐसे पल भी आते ही हैं जब हम विवशता से कह लें या फिर अपनी ही कमजोरी या संकोचवश मना न करना एक आदत सी बन जाती है, जिसके परिणाम भी अन्ततः स्वयं को ही भुगतने पड़ते हैं, उसके बाद दिल व दिमाग दोनों कहते हैं, शायद अच्छा होता यदि उसी समय मैंने 'ना' कह दिया होता तो आज आपसी सम्बन्धों में तनाव व टकराव की स्थिति पैदा न होती व रिश्तों में दरार न आती क्योंकि रिश्ते, दोस्ती व सामाजिकता हमारे जीवन के अहम् पहलू हैं, जिन्हें हम नकार नहीं सकते, इसीलिए हम 'ना' कहने से बचते हैं, ताकि हमारी छवि न बिगड़े, जिसे हमने बचपन से ही अपनी पहचान बनाया हुआ होता है या कह लें संस्कारी होने का प्रमाणपत्र भी होता है, 'ना' कहने का तात्पर्य यह क़तई नहीं, जिसमें अभद्रता, विरोधाभास हो, यह हम पर निर्भर करता है, क्षमता व परिस्थिति पर, कभी-कभी असमर्थ होते हुए भी आदतन हम अपनी सहमति दे देते हैं, लेकिन विपरीत परिस्थिति में भी हाँ कर देने की आदत अकारण हमें तनावग्रस्त कर देती है, हमारी हाँ का यदि अनुचित फ़ायदा उठाया जा रहा हो तो बेहतर है सहजता और सौम्यता से 'ना' कह देना, क्योंकि कभी-कभी मजबूरन हाँ करने के पश्चात यदि किसी कारणवश सामने वाले की कसौटी पर खरे न उतर पाए तो टकराव की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका या सम्भावना हो सकती है, जो रिश्तों में दरार पैदा कर देती है एवं बेवजह आहत होते हैं तब समझ आता है, पहले ही 'ना' कह दिया होता तो आज यह स्थिति नहीं बनती। 'ना' कहना भी एक कला है, कैसे व्यवहार कुशलता के साथ कहा जाए, किसी व्यक्ति विशेष को, बिना चोट पहुँचाए। यह निर्भर करता है, आपके द्वारा कहे गए शब्दों और सरलता से अपनी विवशता को सामने वाले व्यक्ति के समक्ष बिना किसी लाग लपेट के रखना, ताकि कोई ग़लतफ़हमी पैदा न हो। हाँ! किन परिस्थितियों में 'ना' कहना चाहिए यह भी विचारणीय है, यह एक आदत ही न बन जाये। गौर करने वाली बात यह है कि वास्तविक मजबूरी हो तभी 'ना' कहें वरना आत्मग्लानि स्वयं को ही कचोटती है। कहने का तात्पर्य यही है कि कभी-कभी 'ना' कह देने में भी कोई बुराई या हर्ज नहीं है, बशर्ते वह सही व सधे शब्दों में दूसरे पक्ष के समक्ष रखा जाये विवशता का कारण बतलाते हुए.....

तो आज से ही 'ना' कहना भी सीखें और तनावमुक्त जीवन जियें एवं रिश्तों में टकराव नहीं बल्कि प्रेम व विश्वास की डोर बाँधे रखें।

-शकुन्तला करनानी, चेन्नई
९९४००६७५८२

काव्य संग्रह 'शकुन्तलम्' का विमोचन

चैन्नईः १७ मई २०२६, साहित्य संयोजिका शकुन्तला जी करनानी द्वारा रचित काव्य संग्रह 'शकुन्तलम्' का विमोचन चैन्नई के सुप्रसिद्ध विक्टोरिया हॉल में श्री नीलमणि जी राठी के कर कमलों द्वारा हुआ।

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस
महेश नवमी के पावन पर्व पर आप सबको
हार्दिक शुभकामनाएँ

बंग परिवार

महेश जिनका नाम है, कैलाश जिनका धाम है,देवों के देव महादेव को,
हम सबका प्रणाम है... महेश नवमी पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

सर्वे भवन्तु सुखिनः

Om prakash Taparia
Mob.: 9311133059

Shyam Sunder Taparia
Mob.: 9311333059

Taparia Enterprises

Deals In:
Machine Kattha, Cutch, Solvent, Solar Energy System, Led Lights, Fire Wood, Pallets Bracket Etc.

Ahmedpur, Bahalgarh, Sonipat Road,
Behind Hotel Dewan Palace,
P.O. Sonipat, Haryana, Bharat-131001

सोलापुर को MVPM ने दी शिक्षा की नई सौगात

कीर्तिश्री काबरा विद्यालय में एक साथ १०+ सुविधाओं का लोकार्पण

सोलापुरः में MVPM के कीर्तिश्री काबरा विद्यालय में समाज के भीष्मचार्य और इन्वेस्टमेंट गुरु आनंद राठी, सौ.कीर्तिश्री काबरा, श्री गोपालजी काबरा, श्री रंगनाथजी बंग, सुमितजी केला, डॉ. श्रीकांतजी करवा, MVPM के अध्यक्ष शेखरजी मूंदड़ा, इस प्रोजेक्ट के चेयरमैन अतुलजी लाहोटी, बालकिशनजी काबरा, ओमप्रकाशजी सोमानी, नयनजी नौगजा, योगेशजी बियानी के करकमलों द्वारा कोनशिला अनावरण, मुख्य बिल्डिंग का द्वार, लॉ बी में सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन, एडमिन ब्लॉक, ताई करवा एमपीथिएटर, बंग स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, MVPM हॉल, ऑडिटोरियम, स्पोर्ट्स ग्राउंड, किंडरगार्डन, Primary क्लास रूम, ऐसे अनेकविध सुविधाओं का शुभारंभ किया गया, जिसमें सोलापुर के खासदार प्रणीति शिंदे, आमदार देशमुख साहब, सोलापुर के नगरसेवकों, MVPM के सभी प्रमुख पदाधिकारी और सोलापुर के गणमान्य समाजबंधु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी के पावन पर्व पर आप सबको हार्दिक शुभकामनाएँ

ॲड. मोतीसिंह मोहता
विशेष निमंत्रित सदस्य महाराष्ट्र प्रदेश भा.ज.पा.
सदस्य व मा.अध्यक्ष बार कौन्सिल ऑफ महाराष्ट्र ॲण्ड गोवा

ॲड. हेमंत मोहता
मा.अध्यक्ष : बार असोसिएशन, अकोला.
अध्यक्ष: राजस्थानी युवा प्रकोष्ट अकोला
उपाध्यक्ष: भाजपा विधी आघाडी महाराष्ट्र
मा. उपाध्यक्ष: विदर्भ प्रा माहेश्वरी युवा संघटन
मो. नं. 9422808600

- अध्यक्ष, दि बेरार जनरल एज्युकेशन सोसायटी, अकोला
- अध्यक्ष, महाराष्ट्र गौ सेवा संघ (विदर्भ प्रदेश)
- सदस्य, सिनेट संत गाडगेबाबा अमरावती विज्ञापीठ, अमरावती
- अध्यक्ष, सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडळ, अकोला
- अध्यक्ष, अकोला जिल्हा टेबल टेनिस असोसिएशन, अकोला
- अध्यक्ष, मालीपुरा एकता गणेशोत्सव मंडळ, अकोला (लालबागचा राजा)
- अध्यक्ष, भाटे क्लब, अकोला
- अध्यक्ष, मातृभक्त तपे हनुमान मंदिर संस्थान, अकोला
- अध्यक्ष, तेलगू व्यायाम शाळा, अकोला
- अध्यक्ष, स्व. गोदावरीदेवी मोहता चॅरिटेबल ट्रस्ट, उदय नगर, जि. बुलढाणा
- संस्थापक अध्यक्ष, राजस्थानी सेवा संघ, अकोला

कार्यालय : जय प्लाझा, संतोषी माता मंदीरासमोर, अकोला - 444001
निवास : श्री शिवाजी पार्कचे बाजूला, अकोला. मोबा. 9422938600

जब प्रेम ने मृत्यु से संवाद किया

सावित्री की अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति एवं वट सावित्री व्रत की प्रेरक परंपरा....

वन की निस्तब्धता में एक दिन सत्यवान वट वृक्ष के नीचे अचेत होकर गिर पड़े, समय आ चुका था, नियति अपना निर्णय सुना चुकी थी, यमराज उनके प्राण हरने आए।

पर उस क्षण एक अद्भुत दृश्य उपस्थित हुआ, सावित्री ने विलाप नहीं किया, भाग्य को दोष नहीं दिया, न ही भय के आगे स्वयं को समर्पित किया, वह शांत, दृढ़ और निश्चल भाव से यमराज के पीछे चल पड़ी। यमराज ने उसे लौट जाने को कहा, पर सावित्री धर्म, सत्य, करुणा और विवेकपूर्ण संवाद के साथ आगे बढ़ती रही, उसके शब्दों में केवल पत्नी का प्रेम नहीं था, बल्कि आत्मबल, तपबल और आध्यात्मिक चेतना की तेजस्विता भी थी।

धीरे-धीरे यमराज स्वयं उसकी निष्ठा और ज्ञान से प्रभावित हो उठे, अंततः उन्हें सत्यवान को पुनः जीवनदान देना पड़ा।

इसी अमर कथा की स्मृति में वट सावित्री व्रत मनाया जाता है, वट वृक्ष भारतीय परंपरा में दीर्घायु, स्थिरता और जीवन की अखंडता का प्रतीक माना गया है।

यह पर्व केवल दाम्पत्य सौभाग्य का अनुष्ठान नहीं, बल्कि सत्य, धैर्य, प्रेम, निष्ठा और आत्मिक शक्ति की विजय का उत्सव है।

'जहाँ प्रेम के साथ सत्य और अडिग संकल्प जुड़ जाए, वहाँ भाग्य भी अपना निर्णय बदल देता है।'

स्त्रियाँ माँ भगवती का ही स्थूल स्वरूप हैं।

'मेरा राजस्थान' पत्रिका के प्रबुद्ध पाठकों को समृद्धि के पावन 'वट सावित्री पर्व' की शुभकामनाएं

-मेरा राजस्थान

महेश नवमी पर्व पर
सभी राजस्थान वासियों को
हार्दिक शुभकामनायें

सर्वे भवन्तु सुखिनः

ज्योति माहेश्वरी फाउण्डेशन

(महाराष्ट्र धर्मादाय आयुक्त, मुंबई द्वारा पंजीकृत)

424-ए, केवल इण्डस्ट्रियल एस्टेट, सेनापति बापट मार्ग, मुंबई - 400013

बगड़ परिसर, जिला – झुंझुनू (राज.)

शिवओंकार माहेश्वरी तकनीकी संस्थान

सन् 2004 से NCVT भारत सरकार से मान्यता प्राप्त ITI

कृष्णादेवी माहेश्वरी फार्मसी कॉलेज

सन् 2007 से PCI एवं AICTE भारत सरकार से मान्यता प्राप्त D-Pharmacy

BAGAR Institute for Training of Trainers

सन् 2014 से DGE&T द्वारा मान्यता प्राप्त राजस्थान का एकमात्र CTI संस्थान

www.smtibagar.org

शिव जी का संक्षिप्त परिचय

● **आदिनाथ शिव जी :** सर्वप्रथम शिव जी ने ही धरती पर जीवन के प्रचार-प्रसार का प्रयास किया, इसलिए उन्हें 'आदिदेव' भी कहा जाता है। 'आदि' का अर्थ प्रारंभ, आदिनाथ होने के कारण शिव जी एक नाम 'आदिश' भी है।

● **शिव जी के अस्त्र-शस्त्र :** शिव जी का धनुष पिनाक, चक्र भवरेंदु और सुदर्शन, अस्त्र पाशुपतास्त्र और शस्त्र त्रिशूल है, उक्त सभी का उन्होंने ही निर्माण किया था।

● **शिव जी का नाग :** शिव जी के गले में जो नाग लिपटा रहता है उसका नाम वासुकि है, वासुकि के बड़े भाई का नाम शेषनाग है।

● **शिव जी की अर्द्धांगिनी :** शिव जी की पहली पत्नी सती ने ही अगले जन्म में पार्वती के रूप में जन्म लिया और वही उमा, उर्मि, काली कही गई हैं।

● **शिव जी के पुत्र :** शिव जी के प्रमुख ६ पुत्र हैं- गणेश, कार्तिकेय, सुकेश, जलंधर, अयप्पा और भूमा, सभी के जन्म की कथा रोचक है।

● **शिव जी के शिष्य :** शिव जी के ७ शिष्य हैं, जिन्हें प्रारंभिक सप्तऋषि माना गया है, इन ऋषियों ने ही शिव जी के ज्ञान को संपूर्ण धरती पर प्रचारित किया, जिसके चलते भिन्न-भिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। शिव जी ने ही गुरु और शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव जी के शिष्य हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भारद्वाज, इसके अलावा ८वें गौरशिरस मुनि भी थे।

● **शिव जी के गण :** शिव जी के गणों में भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय प्रमुख हैं, इसके अलावा, पिशाच, दैत्य और नाग-नागिन, पशुओं को भी शिव जी का गण माना जाता है।

● **शिव जी की पंचायत :** भगवान सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

● **शिव जी के द्वारपाल :** नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश।

● **शिव पार्षद :** जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं, उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं।

● **देवता और असुर दोनों के प्रिय शिव :** भगवान शिव जी को देवों के साथ असुर, दानव, राक्षस, पिशाच, गंधर्व, यक्ष आदि सभी पूजते हैं, वे रावण को भी वरदान देते हैं और राम को भी। उन्होंने भस्मासुर, शुक्राचार्य आदि कई असुरों को वरदान दिया था, शिव जी सभी आदिवासी, वनवासी जाति, वर्ण, धर्म और समाज के सर्वोच्च देवता हैं।

● **शिव चिह्न :** वनवासी से लेकर सभी साधारण व्यक्ति जिस चिह्न की पूजा कर सकें, उस पत्थर के ढेले, बटिया को शिव का चिह्न माना जाता है, इसके अलावा रुद्राक्ष और त्रिशूल को भी शिव जी का चिह्न माना गया है, कुछ लोग डमरू और अर्द्ध चन्द्र को भी शिव जी का चिह्न मानते हैं, हालांकि ज्यादातर लोग शिवलिंग अर्थात शिव जी की ज्योति का पूजन करते हैं।

● **शिव जी की गुफा :** शिव जी ने भस्मासुर से बचने के लिए एक पहाड़ी में अपने त्रिशूल से एक गुफा बनाई और वे उसी गुफा में रहने लगे। वह गुफा जम्मू से १५० किलोमीटर दूर त्रिकूटा की पहाड़ियों पर है, दूसरी ओर भगवान शिव जी ने जहां पार्वती को अमृत ज्ञान दिया था वह गुफा 'अमरनाथ गुफा' के नाम से प्रसिद्ध है।

● **शिव जी के पैरों के निशान :** श्रीपद- श्रीलंका में रतन द्वीप पहाड़ की चोटी पर स्थित श्रीपद नामक मंदिर में शिव जी के पैरों के निशान हैं, ये पदचिह्न ५ फुट ७ इंच लंबे और २ फुट ६ इंच चौड़े हैं, इस स्थान को सिवानोलीपदम कहते हैं, कुछ लोग इसे आदम पीक कहते हैं।

रुद्र पद- तमिलनाडु के नागपट्टीनम जिले के 'थिरुवेंगडू' क्षेत्र में श्रीस्वेदारण्येश्वर के मंदिर में शिव जी के पदचिह्न हैं जिसे 'रुद्र पदम' कहा जाता है, इसके अलावा 'थिरुवन्नामलाई' में भी एक स्थान पर शिव के पदचिह्न हैं।

तेजपुर- असम के तेजपुर में ब्रह्मपुत्र नदी के पास स्थित 'रुद्रपद मंदिर' में शिव जी के दाएं पैर का निशान है।

जागेश्वर- उत्तराखंड के अल्मोड़ा से ३६ किलोमीटर दूर जागेश्वर मंदिर की पहाड़ी से लगभग साढ़े ४ किलोमीटर दूर जंगल में भीम के मंदिर के पास जी शिव के पदचिह्न हैं। पांडवों को दर्शन देने से बचने के लिए उन्होंने अपना एक पैर यहां और दूसरा कैलाश में रखा था।

रांची- झारखंड के रांची रेलवे स्टेशन से ७ किलोमीटर की दूरी पर 'रांची हिल' पर शिवजी के पैरों के निशान हैं, इस स्थान को 'पहाड़ी बाबा मंदिर' कहा जाता है।

● **शिव जी के अवतार :** वीरभद्र, पिप्पलाद, नंदी, भैरव, महेश, अश्वत्थामा, शरभावतार, गृहपति, दुर्वासा, हनुमान, वृषभ, यतिनाथ, कृष्णदर्शन, अवधूत, भिक्षुवर्य, सुरेश्वर, किरात, सुनटनर्तक, ब्रह्मचारी, यक्ष, वैश्यानाथ, द्विजेश्वर, हंसरूप, द्विज, नतेश्वर आदि हुए हैं। वेदों में रुद्रों का जिक्र है। रुद्र ११ बताए जाते हैं- कपाली, पिंगल, भीम, विरुपाक्ष, विलोहित, शास्ता, अजपाद, आपिर्बुध्य, शंभू, चण्ड तथा भव।

● **शिव भक्त :** ब्रह्मा, विष्णु और सभी देवी-देवताओं सहित भगवान राम और कृष्ण भी शिव भक्त रहे हैं। हरिवंश पुराण के अनुसार कैलास पर्वत पर कृष्ण जी ने शिव जी को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की थी।

● **शिव ध्यान :** शिव जी की भक्ति हेतु शिव का ध्यान-पूजन किया जाता है। शिवलिंग को बिल्वपत्र चढ़ाकर शिवलिंग के समीप मंत्र जाप या ध्यान करने से मोक्ष का मार्ग पुष्ट होता है।

● **शिव मंत्र :** दो ही शिव जी के मंत्र हैं पहला- ॐ नमः शिवाय। दूसरा महामृत्युंजय मंत्र- ॐ ह्रौं जू सः। ॐ भूः भुवः स्वः। ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्। स्वः भुवः भूः ॐ। सः जू ह्रौं ॐ ।। है।

● **शिव व्रत और त्योहार :** सोमवार, प्रदोष और श्रावण मास में शिव व्रत रखे जाते हैं। शिवरात्रि और महाशिवरात्रि शिव जी का प्रमुख पर्व है।

महेश जिनका नाम है, कैलाश जिनका धाम है,
देवों के देव महादेव को, हम सबका प्रणाम है...
महेश नवमी पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

सर्वे भवन्तु सुखिनः

सावित्रीदेवी मंगलचन्द गग्गड़
फाऊन्डेशन
जसवंतगढ़,जयपुर,मुम्बई,लुधियाना

महेश जिनका नाम है, कैलाश जिनका धाम है,
देवों के देव महादेव को, हम सबका प्रणाम है...
महेश नवमी पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

AMOL CHITTLANGIA
Mob: 9380103170
VIVID VISIONS TREXIM PVT. LTD
14 Krishnan koil stree, Sea View towers,
Phase 3, 1st floor, Chennai, TamilNadu
Bharat- 600001 amol.chitlangia@vvtpl.com
भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

महेश नवमी के पावन पर्व पर
हार्दिक शुभकामनाएँ

mukund Sadani
Mob: 7387492492
Gopal Sadani
Mob: 93705 87744
Shyam Sadani
Mob: 85510 39244
Sadani Associates
Auth. Distributor Greenlam
Laminates Rehau Solid Surface
Plot No. 38 Patidar Bhavan Road, Lakadganj,
Queta Colony Nagpur, Maharashtra, Bharat- 440008
Off: 9373888995, Payal Dudhe:- 7756980797
Email: sadaniassociate@gmail.Com
भारत को 'भारत' ही बोला जाए Remove 'INDIA' Name From The Constitution

कर्म की भूमि पर किस्मत
का फूल खिलता है।
नसीब अगर बुलंदी पर हो तो ही
माहेश्वरी में जन्म मिलता है। महेश नवमी
के पावन पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

Bansidhar Rathi
IMPERIAL® TEXTILE
DYEING & PRINTING WORKS
Dhoraji Road, Jetpur, Gujarat, Bharat- 360 370,
Phone - 02823-222301, 221011,
Fax: 02823-222310 (R) 02823-221601, 220707
Mobile: 09824213506
Email: imperialtex@yahoo.com
भारत को 'भारत' ही बोला जाए Remove 'INDIA' Name From The Constitution

'मैं भारत हूं फाउंडेशन' द्वारा आयोजित १५ नवंबर २०२६ को भारत के हर क्षेत्र में गोपाष्टमी की पूर्व संध्या पर होगा आर्तनाद 'गौमाता बने राष्ट्रमाता'

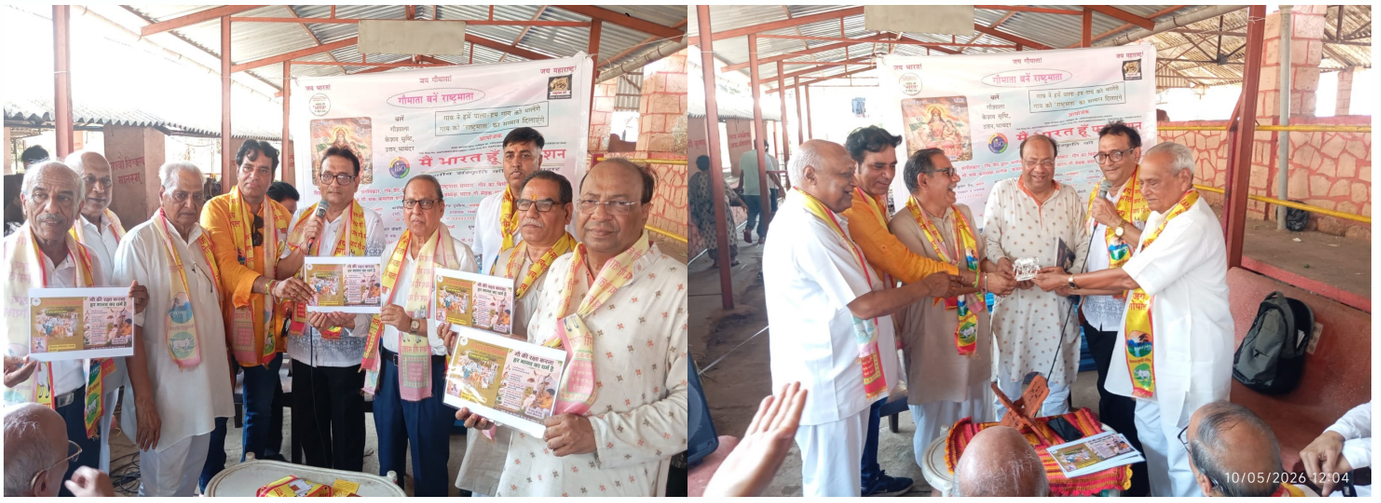

मुंबई: 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' द्वारा मुंबई के मिरा रोड में स्थित 'केशव सृष्टि' गौशाला में 'गौमाता बनें राष्ट्रमाता' अभियान के तहत १० मई को 'त्रिमातृ दिवस' के उपलक्ष पर गौमाता की सेवार्थ कार्यक्रम में, 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन, अग्रबंधु सेवा समिति के ट्रस्टी कान बिहारी अग्रवाल, पार्श्वगायक संगीतकार रवि जैन, गौ भक्त ओंकार चौधरी, मनीष राजपुरोहित, सुभाष चौधरी, कपिल कियावत, मनीष शाह, संजय गग्गड़, सुभाष छाजेड़, ताराचंद शर्मा, मुकेश शर्मा, ममता अग्रवाल, निकिता अग्रवाल, किरण मेहता विमला देवी दाधीच, अनुपमा शर्मा दाधीच, संध्या मौर्या, घाटकोपर से कमलेश जी व अन्य गौभक्त उपस्थित थे। गायक रवि जी ने 'गौमाता बनें राष्ट्रमाता' पर गीत प्रस्तुत किया, भारत गौ सेवक समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौभक्त कमलेश पारीक 'कमल' जी ने 'गौ अमृतम' का वाचन प्रस्तुत किया।

उपस्थित सभी गौभक्तों ने कहा कि १५ नवंबर २०२६ को विराट स्वरूप हजारों की संख्या में उपस्थित होकर 'गोपाष्टमी' के पावन पर्व की पूर्व संध्या पर 'केशव सृष्टि' में उपस्थित होकर गौमाता की सेवार्थ उपस्थित होंगे और 'गौमाता बनें राष्ट्रमाता' की सफलता पर चर्चा करेंगे।

बता दें कि इसी प्रकार कुरावली (मैनपुरी) में भारतीय संस्कृति के संरक्षण और गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के संकल्प के साथ १० मई २०२६ को एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' द्वारा आयोजित किया गया, इस कार्यक्रम मुख्य उद्देश्य समाज में भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना और गायों के संरक्षण हेतु ठोस कदम उठाना है। कार्यक्रम के विशेष आकर्षण के रूप में 'त्रिमातृ शक्ति' के दर्शन किए गए, जिसमें भारत माता, गौमाता और जननी (माँ) के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई, इस वृहद आयोजन को सफल बनाने के लिए कई संस्थाएं एक साथ आई हैं, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हुए श्री महावीर जीव दया समिति, कुरावली भारतवर्ष श्री दिगम्बर जैन युवा महासभा, कुरावली श्री दिगम्बर जैन युवा महासभा कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए अध्यक्ष संदीप जैन रिंकू, महामंत्री अनुराग जैन 'जौली' और कोषाध्यक्ष अखिल जैन 'सोनू' सहित पूरी टीम सक्रिय है, साथ ही मुंबई के 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार बिजय कुमार जैन और महाराष्ट्र गौरव डॉ. अल्पना गंगावाल जैन का भी विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कोलकाता, पुणे, इंदौर, मालेगांव, शिरूर, जालनि आदि के समाचारों को जिनागम पत्रिका के अगले अंक में जरूर पढ़ें।

-मैं भारत हूं

भारत को 'BHARAT' ही बोलेंगे
जय भारत! जय-जय राजस्थान
Remove INDIA Name From The Constitution

महेश रांदड
सहसंयोजक भाजपा दिल्ली के राजस्थान प्रकोष्ठ
मकराना निवासी-दिल्ली प्रवासी
भ्रमणध्वनिः ९८१०१२२१५८

महेश जी 'महेश नवमी' पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि यह त्यौहार हर वर्ष ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष के नवमी तिथि को आता है, इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की कृपा से माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति हुई थी, इसीलिए समाज द्वारा इसे माहेश्वरी के कल्याण के उपलक्ष में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस पर्व के माध्यम से संपूर्ण माहेश्वरी समाज एक जगह इकट्ठा होता है, भगवान महेश की शोभा यात्रा निकाली जाती है, पूजा हवन, जप-तप के माध्यम से आध्यात्मिक प्रगति की जाती है, साथ ही समस्त समाज इकट्ठा होने से एकता और भाईचारे का संदेश जाता है, इसीलिए यह पर्व मनाना जरूरी है, इस पर्व के माध्यम से परिवार और समाज में सुख-शांति और समृद्धता बनी रहे यही कामना की जाती है, आज के परिपेक्ष में इस पर्व की सार्थकता और बढ़ रही है।

आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म-समाज से कम ही जुड़ी है, उन्हें जोड़ना जरूरी है, उचित मार्गदर्शन के कारण ही युवा पीढ़ी धर्म समाज से जुड़ सकती है। आजकल समाज में प्री वेडिंग शूट का चलन अधिक बढ़ रहा है, पर इसे रोकना थोड़ा कठिन लग रहा है, क्योंकि समाज के जो कर्णधार बने हुए हैं उनके घरों में ही यह सब होता है, तो समाज में कैसे प्रतिबंध लगा सकता है, साथ ही समाज में जनसंख्या बढ़ने और संस्कार जीवित रखने के बात भी कही जाती है और जनसंख्या बढ़ाने का कार्य युवा पीढ़ी पर है, संस्कार देने का कार्य महिला मंडल द्वारा ही संभव है, इन सब बातों पर विचार और कार्यवाही करने की आवश्यकता है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए, यह विषय राजनीति के अंतर्गत आता है, इसलिए से यह कार्य राजनेताओं से ही संभव हो सकता है।

महेश जी मूलतः राजस्थान स्थित 'मकराना' के निवासी हैं। आपका जन्म व शिक्षा यहीं संपन्न हुई है, पिछले कई वर्षों से आप दिल्ली में बसे हैं और मार्बल के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य, दिल्ली प्रदेश से निर्वाचित हैं, साथ ही राजनीति में भी सक्रिय हैं, भाजपा दिल्ली प्रदेश के राजस्थान प्रकोष्ठ में सहसंयोजक के पद पर कार्यरत हैं। जय भारत! जय गौमाता! **-मेरा राजस्थान**

प्रवीण चांडक
सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी माहेश्वरी सभा
पोकरण निवासी-अमरावती प्रवासी
भ्रमणध्वनिः 94234 62694

प्रवीण जी 'महेश नवमी' पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि 'महेश नवमी' माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति का दिवस है, हम भगवान महेश के वंशज हैं। 'महेश नवमी' पर विभिन्न स्थानों पर माहेश्वरी समाज के कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, हमारे 'अमरावती' में माहेश्वरी समाज के लगभग २५०० परिवार निवास करते हैं और समस्त समाज द्वारा मिलकर 'महेश नवमी' पर भव्य शोभायात्रा निकलती है, जिसमें सभी आयु वर्ग के लोग सम्मिलित होते हैं, इस अवसर पर समाज द्वारा धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, हमारे यहां 'महेश नवमी' पर युवाओं की भागीदारी सबसे अधिक रहती है, आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म और समाज के प्रति अधिक जागरूक है, यदि उन्हें जोड़ा जाए तो वह अवश्य जुड़ेंगे।

आजकल समाज में कई परिवारों द्वारा प्री वेडिंग शूट किया जाता है, उसे हम मना भी नहीं कर सकते, पर यह नहीं होना चाहिए, इसके कारण समाज में कई बुरी बातों का निर्माण हो रहा है, कई परिवार इसकी वजह से खराब हो रहे हैं, इसीलिए ऐसी बातों को नहीं अपनाना चाहिए जिससे समाज पर गलत प्रभाव पड़े।

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, हमारे यहां समाज द्वारा 'गोरक्षण संस्थान' गौशाला चलती है, जिसके अंतर्गत लगभग ९५० गौवंश है। आज कल गाय से मिलने वाली प्रत्येक वस्तु मानव जीवन के लिए उपयोगी बनती जा रही है, इसलिए गाय को तो 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम, एक पहचान रहनी चाहिए 'भारत', यही हमारे देश के वास्तविकता है।

प्रवीण जी मूलतः राजस्थान स्थित 'पोकरण' के निवासी हैं। आपका परिवार कई वर्षों से महाराष्ट्र के 'अमरावती' में बसा हुआ है, आपका जन्म और शिक्षा यहीं संपन्न हुई है, यहां आप पूर्व में इलेक्ट्रिक कर से जुड़े थे, वर्तमान में कृषि क्षेत्र में सक्रिय हैं। महेश भवन के सचिव व माहेश्वरी महासभा प्रदेश कार्यकारिणी अमरावती के सदस्य हैं, अन्य कई संस्थानों से भी जुड़े हैं। जय भारत! जय गौमाता! **-मेरा राजस्थान**

प्रकाश चंद्र चांडक
व्यवसायी व समाजसेवी
बीकानेर निवासी
भ्रमणध्वनि: 9829108543

प्रकाशचंद्र जी 'महेश नवमी' पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि 'महेश नवमी' माहेश्वरी परिवारों की उत्पत्ति का दिन है, इसीलिए यह दिन माहेश्वरी समाज के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होता है, संपूर्ण माहेश्वरी समाज द्वारा इस पर्व को बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है।

हमारे बीकानेर में माहेश्वरी समाज द्वारा भव्य आयोजन किया जाता है। शोभायात्रा निकाली जाती है, विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं, तत्पश्चात शाम के समय प्रीति भोज का आयोजन होता है, सभी कार्यक्रमों में हर आयु वर्ग के लोग बढ़ चढ़कर सहभागी होते हैं।

आज की युवा पीढ़ी आधुनिक भी है और धार्मिक भी, वह धर्म और समाज को मानती है, पर समयाभाव या अन्य कारणों से वह नहीं जुड़ पाती।

आज समाज में प्री वेडिंग शूट व अन्य कई विदेशी चलन प्रसिद्ध हो रहे हैं, जो अनुचित है, सब कुछ यदि मर्यादा में रहकर की जाए और परिवार के सानिध्य में हो तो उचित होगा।

गाय को तो 'राष्ट्रमाता' का सम्मान निश्चित रूप से मिलना चाहिए।

भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के जाए संदर्भ में आपका कहना है कि भारत ही हमारे देश का वास्तविक नाम है, अतः हर भाषा में अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए।

प्रकाश जी मूलतः राजस्थान स्थित 'बीकानेर' के निवासी हैं, आपका जन्म बीकानेर में व शिक्षा बीकानेर एवं पिलानी में संपन्न हुई है, यहां आप चायपत्ती के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही यथासंभव सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहते हैं। जय भारत! जय गौमाता! **-मेरा राजस्थान**

अनिल कुमार बाहेती
समाजसेवी
बिकानेर निवासी-कोलकाता प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९७४८५३२१६९

अनिल जी 'महेश नवमी' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि 'महेश नवमी' महेश्वरी समाज की उत्पत्ति का दिन है, इसलिए महेश नवमी मनाते हैं। महेश्वरी भवन में पूजा अर्चना होती है, रुद्राभिषेक, धार्मिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा होती है, सारा दिन खाने पिने का कार्यक्रम चलता है। शिव भगवान की झांकियों के साथ शोभा यात्रा निकाली जाती है। भंडारे जैसे आयोजन किये जाते हैं। आम तौर पर यह त्योहार मई-जून में ही आता है। शिव जी के आशीर्वाद के कारण 'माहेश्वरी' नाम पड़ा।

आज की युवा पीढ़ी के बारे में बताते हुए आप कहते हैं कि आज की युवा पीढ़ी को अपने समाज व अपने देश की रक्षा करनी चाहिए, सनातन धर्म का ज्ञान व संस्कार उनमें होना चाहिए, अपने संस्कार से विमुख नहीं होना चाहिए, भारत का हित होगा, तभी हम आगे बढ़ पाएंगे, राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होता है।

गाय माता को राष्ट्रीय गोऊ माता का सम्मान ज़रूर मिलना चाहिए, सनातन धर्म में गौमाता को पूजनीय माना गया है। गौवंश की वृद्धि के लिए हमें कोशिश करनी चाहिए।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निस्संदेह भारत को 'भारत' ही बोलना चाहिए, इंडिया नहीं।

अनिल कुमार जी मूलतः राजस्थान स्थित 'बिकानेर' निवासी व कोलकाता प्रवासी हैं। आपका जन्म 'बिकानेर' में व शिक्षा राजस्थान व गुजरात में सम्पन्न हुई हैं। आप गौसेवा से जुड़े हैं, आपका व्यवसाय कपड़े का है। जय गौमाता! जय भारत! **-मेरा राजस्थान**

समस्त राजस्थानी समाज की एकमात्र पत्रिका
'मेरा राजस्थान' के सभी पाठकों को विश्वनाथ भरतिया परिवार
की तरफ से 'महेश नवमी' पर हार्दिक शुभकामनाएं!

भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए इंडिया नहीं

गो-सेवक परिवार की सोच, अतिथि देवो भवः।
गौ माता बनें राष्ट्रमाता अभियान के समर्थन का निवेदन

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

सदियों का इतिहास हमारा, गौ-संवर्धन अपनाया है
यह अर्थ, धर्म और प्रकृति के, संतुलन का पैमाना है !!

CA. Krishan Banssal

Mob: 9371010904

klb Corp
GROWTH IN ACTION

A-Wing, 19-22, 3rd floor, Highway Towers,
Chinchwad, Pune - 411019, klbansal@gmail.com
Tel- 02027479205

सर्वे भवन्तु सुखिनः

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस
महेश नवमी के पावन पर्व पर आप सबको
हार्दिक शुभकामनाएँ

Laxme Communications

SANJEEV AGARWAL

Mob: 9225512354 / 9028109999

ISO 9001:2015 Certified

Dealer for VIP, Premium, Fancy,
Choice Golden Mobile Numbers!!!

Shop No.1, Vaishali Heights, Shanti Nagar, Pune
Maharashtra, Bharat- 411006

महेश जिनका नाम है, कैलाश जिनका धाम है,देवों के देव महादेव को,
हम सबका प्रणाम है... महेश नवमी पर हार्दिक शुभकामनाएँ

Anil Kumar Baheti

Mob: 9748532169

9 Ramlal, Mukherjee Lane, 3rd floor,
Howrah, West Bengal, Bharat-711106

महादेव महेश्वर की कृपा का चमत्कार,
माहेश्वरी समाज को जाने सारा संसार
महेश नवमी के पावन पर्व पर
हार्दिक शुभकामनायें

सर्वे भवन्तु सुखिनः

बसन्तकुमार लड्ढा

मो.: 9893072472

बॉम्बे फिल्म एक्सचेंज

१०१, रूद्राक्ष अपार्टमेंटए १६, मीरापथ, इंदौर, मध्य प्रदेश, भारत-४५२००१
फोनः (ऑ) ०७३१-२५४१३६७, (नि) ०७३१-२४९७११

महेश नवमी के पावन पर्व पर आप सबको
हार्दिक शुभकामनाएँ

Sattu N. Rathi

Mob: 9157016733

VSK SYNTHETICS PVT. LTD.

ISO 9001: 2008 Certified

Quality Based Dyeing of Synthetic Fabrics

Plot No. 3, Block No. 199-A, B/h. Tantithaiya Bus Stand,
Kadodra Bardoli Road, Jolwa, Surat, Gujarat, Bharat- 394305

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी के
पावन पर्व पर आप सबको हार्दिक शुभकामनाएँ

पुरुषोत्तमदास सोनी

मो.: 9391002981

शिव रतन 5-5-35/238/4, प्लॉट नंबर 32, मैत्री नगर,
कुकटपल्ली, हैदराबाद, तेलंगाना, भारत-500072
फोनः 040-23075236

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

राष्ट्रमाता बनें
निवेदक: मैं भारत हूँ फाउंडेशन

with best compliment

AJAY SUREKA

Director

Mob: 9831027595

ELEQUIP TOOLS PVT. LTD.

Leaders in Material Handling Equipment Since 1966

• Electric Hoists • Automation
• Pulley Blocks • Overhead Cranes

19, Pollock Street, Room No. 1/3, 2nd Floor,
Kolkata, West Bengal, Bharat- 700001
Mob: 9674322200, 9674322207
e-mail: elequipajay@ehoists.in /contact@ehoists.in

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए INDIA नहीं

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस महेशनवमी के
पावन पर्व पर आप सबको हार्दिक शुभकामनाएँ

सर्वे भवन्तु सुखिनः

Prakash Chandak

Mob : 98291 08543

स्टेन्डर्ड टी कम्पनी

कड़क एवं स्वादिष्ट चाय के विक्रेता

कोटगेट के अन्दर, जोशीवाड़ा,
बीकानेर - 334005 (राजस्थान)
फोन : 0151-2521678 मो. 9829108543

महेश जिनका नाम है, कैलाश जिनका धाम है,
देवों के देव महादेव को, हम सबका प्रणाम है...
महेश नवमी पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

राधेश्याम परवाल

B.Com., M.A., CAIIB

Mob: 9414061636, 9309448981

पूर्व वरिष्ठ प्रबन्धक	- बैंक ऑफ राजस्थान
पूर्व संयुक्त मंत्री	- अ.भा. माहेश्वरी महासभा
पूर्व महामंत्री	- राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा
पूर्व प्रदेश अध्यक्ष	- पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा
पूर्व जिला अध्यक्ष	- जयपुर जिला माहेश्वरी सभा
पूर्व संयुक्त मंत्री	- वरिष्ठ जन कल्याणकारी परिषद्
पूर्व महामंत्री	- बैंक ऑफ राजस्थान रिटायर्ड स्टॉफ सोसायटी
पूर्व महामंत्री	- अम्बर टॉवर डेवलपमेंट सोसायटी
पूर्व प्रधान सम्पादक	- राजबैंक टाइम्स
पूर्व सम्पादक	- आईबोरा मूवमेन्ट
पूर्व सम्पादक	- राजस्थान माहेश्वरी सन्देश

'परवाल विला', डी-62, वैशाली नगर, जयपुर, राजस्थान, भारत- 302021

ई-मेल - radheyshyamparwal@gmail.com

Rashmi
Lighting up your life...
ILLUMINATING SINCE 1948

THE COMPLETE LIGHTING SOLUTION FOR
HOME, OFFICE, INDUSTRIAL AND OUTDOOR USE

PLEASE CONTACT US FOR TRADE ENQUIRIES AND DEALERSHIP

M : +91 +91 93316 69866 | Email : info@rashmilighting.com

LED LIGHTS | FAN | HOME APPLIANCES
ELECTRICAL ACCESSORIES & SOLAR PRODUCTS

Manufactured At Dhanashree Electronics Ltd. | www.RashmiLighting.com | Follow us : / RashmiLights | MADE IN INDIA

SPECIAL OFFER AVAILABLE*
CUT & CARRY THIS NEWSPAPER AD TO CLAIM THE SPECIAL OFFER AT THE SHOWROOM ADDRESS BELOW
*Terms & Conditions Apply

AVAILABLE AT AUTHORISED DISTRIBUTOR
Ladhuram Toshniwal & Sons

H.O. : 11, Pollock Street, Kolkata : 700 001 , Ph. : 033 4022 4022
Salt Lake Showroom : Plot XI - 16, EP & GP, Sector - V, Salt Lake , Kolkata - 700 091 Ph.: 033-4068 0124
Hazra Showroom : 77/2A, Hazra Rd, Near Swagat Hotel, Dover Terrace, Ballygunge, Kolkata : 700029 Ph. : 033 4001 6817

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारत को 'भारत' ही बोला जाए
www.mainbharathun.co.in

मालपाणी उद्योग समूह

मालपाणी पॅलेस ॲण्ड मालपाणी क्लब ॲण्ड रिसॉर्ट

अकोले रोड, संगमनेर, जि.अ.नगर, फोन: 02425-228851/ 98812 46144

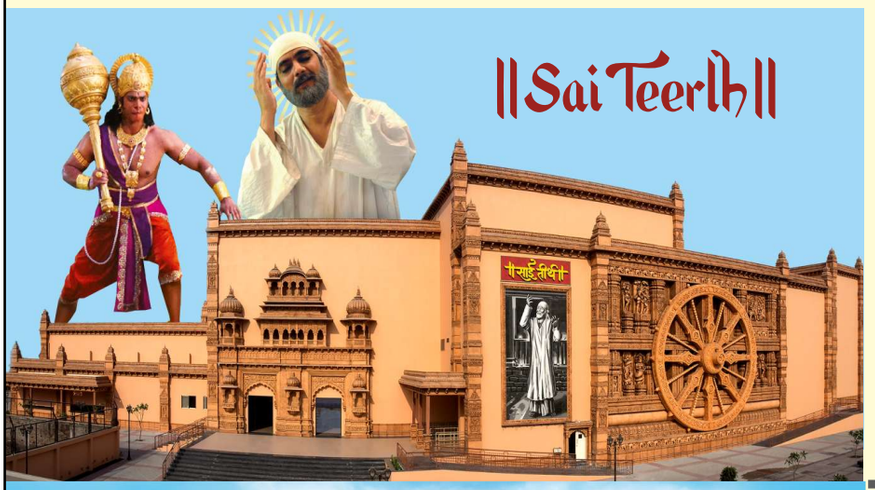

||Sai Teerth||

THEME PARK, SHIRDI

www.saiteerth.in
9767840000 / 9767540000

Wet 'n Joy

- Water Park
- Amuesment Park

Lonavala - Shirdi

Wet 'n Joy Water Park, Shirdi
www.shirdi.wetnjoy.in/
9527650000/9527640000/9850586650

Wet 'n Joy Water Park & Amusement Park, Lonavala
www.lonavala.wetnjoy.in
9112268080 / 9112278080

Malpani Group's Ventures, GIRIRAJ ENTERPRISES, Sangamner

RNI No. MAHHIN/ 2003/11570
Postal Registration No. MCN/113/2025-2027
WPP License No. MR/Tech/WPP-246/North/2025-27
License to post without prepayment'
Published on 28/05/2026 & Posting on 30th of every previous Month
at Marol Bazar Post Office, Mumbai - 400 059.

ADD Gel®

LEADERS IN WRITING TECHNOLOGY

24 SHADES

CALLIGRAPHY
GIFT OF CREATIVITY

Best Gift for Birthday

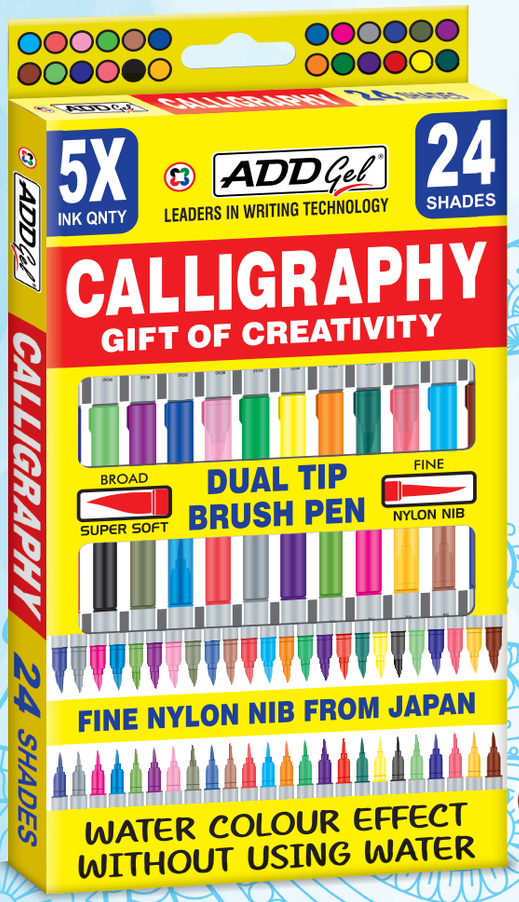

DUAL TIP BRUSH PEN

FINE NYLON NIB FROM JAPAN

BROAD
SUPER SOFT
FINE
NYLON NIB

MRP ₹450/- PER PACK

Make in India

www.shop.addpens.com

गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए संपादक, मुद्रक व प्रकाशक बिजय कुमार जैन द्वारा विनय ग्राफिक्स, युनिट नं 13, रवी इन्ड. को.-ऑप. सोसाइटी लि., 25 महल इन्ड ईस्टेट, महाकाली केव्हज रोड अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400093 से मुद्रित करवाकर बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400 059 से प्रकाशित किया गया, टेलीफैक्स-022-4015 8094
अणुडाक - mailgaylordgroup@gmail.com अन्तरताना - www.merarajasthan.co.in